राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 02 सितंबर 2026 वर्ष-9,अंक-211 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी 2 सितंबर को जल सुरक्षा शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 सितंबर को जल सुरक्षा पर आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में शामिल होंगे। यह सम्मेलन नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में 1-2 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। पीएम मोदी शाम लगभग 4=30 बजे समापन सत्र में पहुंचेंगे और सभा को संबोधित करेंगे। सरकार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य टीम इंडिया की भावना को मजबूत करना और सहकारी संघवाद को और गहरा करना है। इसके जरिए केंद्र और राज्यों के बीच करीबी सहयोग से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर सामूहिक स्वामित्व को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल महत्वपूर्ण क्षेत्रीय प्राथमिकताओं पर संयुक्त रूप से विचार-विमर्श करने और उनके कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए एक व्यवस्थित मंच प्रदान करेगी। शिखर सम्मेलन में केंद्र और राज्य सरकारों के राजनीतिक नेतृत्व और वरिष्ठ अधिकारी एक साथ आएंगे। वे प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा करेंगे, अपनी सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां साझा करेंगे और कार्यान्वयन में आ रही चुनौतियों का समाधान निकालेंगे। इसका अंतिम लक्ष्य समयबद्ध कार्य योजनाएं तैयार करना है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन का फोकस चार प्रमुख क्षेत्रों पर रहेगा। पहला, जल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समय पर कार्यान्वयन। दूसरा, जल संचय में जन भागीदारी, जिसमें कैच द रेन यानी वर्षा जल संचयन अभियान पर जोर होगा। तीसरा, पेयजल प्रणालियों के स्रोतों की स्थिरता और चौथा, जल जीवन मिशन 2.0 के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजनाओं का संचालन और रखरखाव। सरकार को उम्मीद है कि इस मंथन से ठोस और समयबद्ध नतीजे सामने आएंगे। इससे जल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आएगी, जल संरक्षण में आम लोगों की भागीदारी बढ़ेगी, और पेयजल स्रोतों की स्थिरता सुनिश्चित होगी। साथ ही, जल जीवन मिशन 2.0 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सेवाओं की विश्वसनीयता और जवाबदेही में सुधार होगा। जल जीवन मिशन

केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं में से एक है, जिसका लक्ष्य हर ग्रामीण घर तक नल से जल पहुंचाना है।

पहला कॉलम

जेपी नड्डा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक, राजभाषा को बढ़ावा देने पर जोर

नई दिल्ली।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दूसरी बैठक मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान मंत्रालय तथा इसके विभिन्न संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की स्थिति की समीक्षा की गई। मंत्रालय द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। समिति के सदस्यों से राजभाषा के प्रयोग को और बढ़ाने तथा स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं से संबंधित जानकारी जन-सामान्य तक सरल हिंदी में पहुंचाने के संबंध में सुझाव आमंत्रित किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का कार्य सीधे तौर पर जन-जीवन से जुड़ा हुआ है। ऐसे में जनता के साथ उनकी अपनी भाषा में संवाद स्थापित करना मंत्रालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से जन-सामान्य के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और सेवा-प्रदायगी को बेहतर बनाया जा सकता है। नड्डा ने पिछली बैठक से अब तक मंत्रालय द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में किए गए सार्थक प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। नड्डा ने कहा कि देश अब पश्चिमी जगत के लंबे औपनिवेशिक प्रभाव से बाहर निकलते हुए अपनी भारतीय भाषाओं के अधिकाधिक प्रयोग की दिशा में आगे बढ़ रहा है और भाषा भारतीयता को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक महत्वपूर्ण अवसरों पर अंतरराष्ट्रीय मंचों से हिंदी में अपने विचार और दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं तथा भारतीयता को सशक्त बनाने पर जोर दिया है।÷ राजभाषा से संबंधित पदों के संबंध में नड्डा ने निर्देश दिया कि मंत्रालय के विभिन्न विभागों और संस्थानों में राजभाषा से संबंधित पदों की समीक्षा कर उन्हें पुनः सृजित करने और भरने की दिशा में समयबद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने संबंधित पदों की सूची तैयार कर शीघ्र उनके समक्ष प्रस्तुत करने को कहा, ताकि आवश्यकतानुसार वित्त मंत्रालय के साथ भी इस विषय पर चर्चा की जा सके।

पीएम मोदी के नेतृत्व में मजबूत हो रहा देश, जीडीपी ग्रोथ बड़ी उपलब्धि- मंत्री शीला कुमारी

पटना।

बिहार सरकार में मंत्री शीला कुमारी ने देश की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत पहुंचने को बड़ी उपलब्धि बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके साथ ही मंत्री ने बिहार में जाति आधारित गणना, पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण और बिहार-झारखंड जल-बंटवारे के समझौते को लेकर भी अपनी बात रखी। जीडीपी के आंकड़ों पर मंत्री शीला कुमारी ने कहा कि विपक्ष लगातार प्रधानमंत्री मोदी पर देश की जीडीपी घटने को लेकर सवाल उठाता रहा है, लेकिन अब विकास दर 7.8 प्रतिशत तक पहुंच गई है। मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और विभिन्न देशों में चल रही समस्याओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का इस स्तर पर विकास करना बड़ी उपलब्धि है। देश की आर्थिक मजबूती के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और देशवासियों का प्रयास महत्वपूर्ण है। आरक्षण को लेकर एनडीए के भीतर अलग-अलग नेताओं के बयानों के बीच शीला कुमारी ने कहा कि आरक्षण संविधान का हिस्सा है और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लंबे समय से इसके पक्षधर रहे हैं। बिहार में कराई गई जातीय गणना का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिए यह जानना जरूरी है कि उसकी आबादी और सामाजिक स्थिति क्या है। जब तक यह जानकारी उपलब्ध नहीं होगी, तब तक जरूरत के अनुसार विकास की योजना बनाना मुश्किल होगा।

एससीओ समिट में पीएम मोदी ने जिनपिंग से मिलाया हाथ, शहबाज को देखा तक नहीं

नई दिल्ली।

सीमा पर तनाव के बीच पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। एससीओ समिट में हुई इस मुलाकात के गवाह पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ भी बने। खास बात है कि एक दिन पहले ही पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिले थे और यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात पर जोर दिया था। साल 2020 में गलवान घाटी में हुई सैनिकों की झड़प के बाद भारत और चीन के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी सोमवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक पहुंचे थे। मंगलवार सुबह समूह में शामिल प्रतिनिधी ग्रुप फोटो के लिए जुटे थे। उस दौरान उन्होंने जिनपिंग और पुतिन समेत अन्य नेताओं से मुलाकात की और हाथ मिलाया। खास बात है कि उस दौरान शरीफ भी वहां मौजूद थे। खबर है कि उन्होंने शरीफ को नहीं देखा।

हिमाचल प्रदेश-जमीन कब्जाने वालों के पंचायत चुनाव लड़ने पर रोक वाला बिल पास

शिमला।

पंचायत चुनाव की तैयारी कर रहे जमीन पर कब्जा करने वालों को बड़ा झटका देते हुए, हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया।

बिल के अनुसार, अगर परिवार का कोई सदस्य सरकारी या शामिलात (गांव की साझा जमीन) पर गैर-कानूनी कब्जा करता है, तो उनकी बहू को भी चुनाव लड़ने से रोक दिया जाएगा।पिछले पंचायत चुनावों में, कई गैर-कानूनी कब्जा करने वालों ने कानून की इस तकनीकी खामी का खूब फायदा उठाया था। खुद चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित होने पर नेता पंचायत प्रधान, ब्लॉक डेवलपमेंट कमेटी (बीडीसी) सदस्य या जिला परिषद सदस्य के पदों के लिए अपनी बहुओं को चुनावी मैदान में उतारते थे और परोक्ष रूप से शासन करते थे।

बहू परिवार का हिस्सा होती है और सीधे या परोक्ष रूप से कब्जे का फायदा उठाती है, इसलिए हिमाचल प्रदेश सरकार ने अब इस खामी को हमेशा के लिए खत्म कर दिया है। विधानसभा के मानसून

सत्र के दौरान, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने यह बिल पेश किया। असल में, पुराने पंचायती राज अधिनियम (1994) के तहत कब्जा करने वाले के परिवार की परिभाषा में केवल दादा-दादी/नाना-नानी, माता-पिता, जीवनसाथी, बेटा और अविवाहित बेटी शामिल थे। इस सूची में बहू का जिक्र नहीं था। सरकार ने इस संबंध में 6 मई को एक अध्यादेश जारी किया था। अब, यह बिल विधानसभा में उस अध्यादेश की जगह लेगा। नए संशोधन के तहत, कब्जा करने वाले (फायदा उठाने वाले) की परिभाषा का दायरा बढ़ा दिया गया है।

भाजपा का बल्लारी चलो माच-येदियुरप्पा ने कर्नाटक सरकार को उखाड़ फेंकने का लिया संकल्प

रायचूर।

भाजपा ने मंगलवार को कर्नाटक के रायचूर जिले स्थित लिंगसुगुर से अपनी 10 दिन की 'बल्लारी चलो' पदयात्रा शुरू की। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने दावा किया कि पार्टी का आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि 'किसान-विरोधी, जन-विरोधी और भ्रष्ट' राज्य सरकार को सत्ता से हटा नहीं दिया जाता।

इस पदयात्रा को छह करोड़ कन्नड़ लोगों की आकांक्षाओं के लिए एक 'बिगुल' बताते हुए येदियुरप्पा ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के नेतृत्व में यह मार्च राज्य सरकार के खिलाफ एक अभियान की शुरुआत है। येदियुरप्पा ने दावा किया, ÷यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि सत्ता के नशे में चूर, किसान-विरोधी, जन-विरोधी, विकास-विरोधी, महिला-विरोधी और भ्रष्टाचार में डूबी इस सरकार को हटा नहीं दिया जाता।÷ पदयात्रा का औपचारिक उद्घाटन किसानों के गीत (एंथम) के साथ किया गया।

येदियुरप्पा ने कहा कि यह कार्यक्रम कोई चुनावी अभियान बैठक नहीं थी, बल्कि 'भ्रष्ट सरकार' को हटाने के संकल्प के साथ शुरू हुआ एक संघर्ष था।

येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की स्वतंत्रता पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को हर फैसले के लिए दिल्ली जाना पड़ता है और 'राहुल गांधी के पैर पकड़ने' पड़ते हैं।

उन्होंने पूछा, ÷क्या आप सचमुच मुख्यमंत्री हैं? क्या इससे मुख्यमंत्री के पद की गरिमा बढ़ती है?

÷ येदियुरप्पा ने लोगों से पदयात्रा का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि यह सरकार के कथित भ्रष्टाचार और 'लूट' के खिलाफ भाजपा की लड़ाई का सिर्फ पहला कदम है। भाजपा के सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी ने दावा किया कि राज्य सरकार 'दलित-विरोधी, किसान-विरोधी, एसटी-विरोधी और महिला-विरोधी' है और आरोप लगाया कि यह बहुत भ्रष्ट है।

पश्चिम बंगाल में आपदा प्रबंधन के लिए अर्जुन वाहिनी लॉन्च,एनडीआरएफ की तर्ज पर करेगी काम

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को राज्य में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से %अर्जुन वाहिनी% की शुरुआत की। इस पहल का लक्ष्य राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की कार्यशैली के अनुरूप एक सुदृढ़ और संगठित आपदा प्रबंधन तंत्र विकसित करना है। नई टीम को लॉन्च करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि %अर्जुन वाहिनी% 200 कर्मियों के साथ काम करना शुरू करेगी। इनमें से 100 कर्मी कोलकाता के लिए, 50 कर्मी पहाड़ी इलाकों के लिए और शेष 50 चक्रवात संभावित सुंदरबन इलाके (जो दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना जिलों में फैला है) के लिए होंगे। मुख्यमंत्री ने इस नई टीम के लॉन्च के मौके पर कहा, ÷टीम के प्रमुख को 40,000 रुपए का मासिक भत्ता मिलेगा, जबकि टीम के अन्य सदस्यों को 25,000 रुपए का भत्ता मिलेगा। उनके भत्ते में हर साल तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। चूंकि इस टीम के सदस्य मुश्किल हालात में और जोखिम भरे इलाकों में काम करेंगे, इसलिए गंभीर चोट या मौत होने पर उन्हें 10 लाख रुपए और दिव्यांगता होने पर 5 लाख रुपए का मुआवजा मिलेगा।÷ उन्होंने कहा, ÷%अर्जुन वाहिनी% मुख्य रूप से रिटायर हो चुके सैनिकों और अग्निवीरों से बनाई जाएगी। भविष्य में इस फोर्स को एनडीआरएफ जैसे ही उपकरण और टेक्नोलॉजी से लैस किया जाएगा।÷ राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए एक खास टीम बनाने का फैसला तब लिया था, जब इस साल जून में कोलकाता के तारातला में बन रहा एक गोदाम ढह गया था और उसमें 16 लोगों की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री के मुताबिक, यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि राज्य के पास एनडीआरएफ जैसी ही आपदा प्रबंधन की अपनी खास टीम हो। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि नई टीम 200 सदस्यों के साथ काम करना शुरू करेगी, लेकिन भविष्य में इनकी संख्या काफी बढ़ाई जाएगी। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर आपदा प्रबंधन के मुद्दे को नजरअंदाज करने और इसके बजाय रियल एस्टेट डेवलपमेंट में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया, जिससे अक्सर आपदाएं होती थीं। उन्होंने

कहा, ÷ज्यादा पैसे कमाने की होड़ में पिछली सरकार के दौरान वेटलैंड पर कब्जा करके गैरकानूनी तरीके से इमारतें और घर बनाने के लिए संस्थागत भ्रष्टाचार का सहारा लिया गया। अक्सर बिना ठीक से जांच-पड़ताल किए ही बिल्डिंग प्लान को मंजूरी दे दी जाती थी।÷

सेवा की कोई सीमा नहीं होती, त्रासदी में सिख समुदाय नेपाल के साथ खड़ा- सुखबीर सिंह बादल

चंडीगढ़।

शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस मुश्किल घड़ी में नेपाल के लोगों तक मदद पहुंचाने के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की पहल की सराहना की है।

सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ÷सेवा की कोई सीमा नहीं होती। नेपाल में आई इस त्रासदी के समय वहां के लोगों तक मदद पहुंचाने में पहल करने के लिए मैं एसजीपीसी (शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी) का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। सरबत दा भला (सबका कल्याण) सिख मूल्यों का मूल आधार है।÷

उन्होंने आगे लिखा, ÷नेपाल के अधिकारियों से संपर्क करने, प्रभावित लोगों की जरूरतों का पता लगाने और मदद पहुंचाने के एसजीपीसी के प्रयास, सिख सेवा और करुणा की शाश्वत भावना को दर्शाते हैं। मेरी गहरी संवेदनाएं नेपाल के लोगों और उन सभी परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने किसी प्रियजन को खो दिया है। सिख समुदाय नेपाल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और इस मुश्किल घड़ी में हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।÷

बता दें कि एसजीपीसी ने नेपाल में आई आपदा के बाद राहत कार्यों की शुरुआत की है। एसजीपीसी के अधिकारियों ने नेपाल के स्थानीय प्रशासन से संपर्क साधा है, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतों का आकलन कर त्वरित सहायता पहुंचाई जा सके। इसमें लंगर सेवा, दवाइयां और अन्य जरूरी राहत सामग्रियां शामिल हैं। सिख समुदाय का सेवा भाव हमेशा से ही विश्वभर में मिसाल रहा है। चाहे वह भारत में आई बाढ़ हो, भूकंप हो या विदेशों में कोई आपदा, एसजीपीसी और सिख संगत हमेशा सबसे आगे रहकर मदद करती आई है। सरबत दा भला के सिद्धांत पर चलते हुए सिख समुदाय बिना किसी भेदभाव के मानवता की सेवा करता है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा- एलजी ने सिक्योरिटी फोर्स में बेहतर तालमेल पर दिया जोर

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद को खत्म करने के लिए पूरी तरह तालमेल और केंद्रित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के मकसद से विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच आपसी सहयोग पर जोर दिया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को श्रीनगर के लोक भवन में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक हाई-लेवल सिक्योरिटी रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता की। इस हाई-लेवल मीटिंग में मुख्य रूप से मौजूदा सुरक्षा हालात, सुरक्षा बलों की ऑपरेशनल तैयारी और इंटेलिजेंस शेयरिंग को मजबूत करने की रणनीतियों पर चर्चा की गई।

एलजी ने सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस (जे), खुफिया विभाग और नागरिक प्रशासन जैसी विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल को मजबूत करने के उपायों पर जोर दिया। कई सुरक्षा बलों और प्रशासनिक विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मीटिंग में हिस्सा लिया और एलजी को आंतरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल और आतंकवाद से जुड़ी नई चुनौतियों का सामना करने के लिए किए जा रहे सक्रिय उपायों के बारे में जानकारी दी। मनोज सिन्हा जम्मू-कश्मीर में शांति और अमन-चैन बनाए रखने के लिए विभिन्न सुरक्षा बलों और इंटेलिजेंस एजेंसियों की समय-समय पर रिव्यू मीटिंग कर रहे हैं और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दे रहे हैं। सुरक्षा बल केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद के सपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह खत्म करने के मकसद से लगातार काम कर रहे हैं। इस रणनीति में आतंकवादियों, उनके ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और समर्थकों के खिलाफ ऑपरेशन शामिल हैं। जहां ये ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बल चलाते हैं, वहीं भारतीय सेना और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ), जो लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) और इंटरनेशनल बॉर्डर की सुरक्षा करते हैं, सीमा पार से आतंकवादियों की घुसपैठ, तस्करी और टेरर हैंडलर्स की ड्रोन गतिविधियों को रोकने के लिए तैनात हैं। सीमा पार बैठे टेरर हैंडलर्स जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बनाए रखने के लिए हथियार, गोला-बारूद, कैश और ड्रग्स गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते हैं। ये सामान

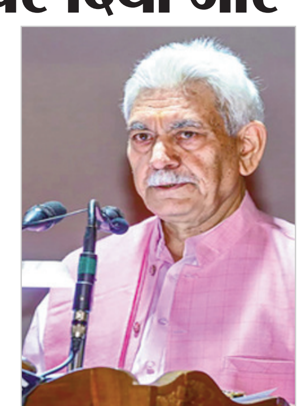

आमतौर पर ओजीडब्ल्यू उठाते हैं और बाद में आतंकवादियों को सौंप देते हैं। भारतीय सेना और बीएसएफ ड्रोन के खतरे को रोकने के लिए ह्यूमन इंटेलिजेंस के अलावा हाई-टेक एंटी-ड्रॉप टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में आर्थिक विकास दर ने चौंकाया

यदि भारत को चीन जैसी विनिर्माण क्षेत्र की ताकत बनाना है तो भारत को हाई वैल्यू मैन्युफेक्क्ररिंग, सेमीकंडक्टर, मशीनरी, और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र को और अधिक मजबूत करना होगा। घरेलू उत्पाद बढ़ाकर न केवल उत्पादों के आयात को कम किये जाने का प्रयास किया जा रहा है बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेसरी भी बढ़ाई जा रही है। भारत में हाल ही में आई मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक क्रांति का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 2 मोबाइल उत्पादन इकाईयां कार्यरत थीं। आज भारत मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता देश बन गया है। ऐपल की फ्लेगशिप कम्पनी अब मैन्युफेक्क्ररिंग इन इंडिया की ओर आगे बढ़ रही हैं।

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

दिनांक 31 अगस्त 2026 को सायंकाल में केंद्र सरकार ने भारत के वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए हैं। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचेम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धत्ता बताते हुए अप्रेल-जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त वृद्धि दर वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के बीच हासिल हुई है, इसलिए भारत के लिए यह एक मील का पत्थर साबित होगी। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराईल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं। ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ओफ होर्मुज को बंद करने के पश्चात इस मार्ग से गुजरने वाले तेल के जहाजों को रोक दिया गया था एवं कच्चे तेल की आपूर्ति पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ा था। परंतु, भारत ने इस दयनीय स्थिति को बहुत ही सूझ बूझ के साथ सम्भाला और अन्य कई देशों से तेल एवं गैस का आयात जारी रखा, जिससे भारत में न तो तेल की आपूर्ति कम हुई और न ही भारत में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। जबकि अन्य कई देशों में तो पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

भारत के युवाओं (जेन-जी) को इस बात को समझना होगा कि भारत आज आर्थिक विकास के जिस दौर से गुजर रहा है, वह बहुत ही संवेदनशील है। यदि देश में किसी भी प्रकार की अराजकता फैलायी जाती है तो आर्थिक विकास की पटरी से भारत डीरेल हो सकता है। आगे आने वाले 10 वर्षों तक भारत यदि विकास दर की इसी ट्रेजेक्टरी में अपने आप को बनाए रखने में सफल होता है तो भारत के वर्ष 1947 में विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार होने से कोई रोक नहीं सकता है। अर्थ के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अप्रेल-जून 2026 तिमाही में सराहनीय वृद्धि दर हासिल की गई है। सकल मूल्य संवर्धन में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही है जो अप्रेल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की रही थी। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की तिमाही में 8.3 प्रतिशत की रही थी जो इस वर्ष की तिमाही में बढ़कर 9.2 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार सेवा के क्षेत्र में भी आर्थिक विकास दर इस वर्ष की प्रथम तिमाही में बढ़कर 10 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 8 प्रतिशत रही थी। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग आधारित है, अतः निजी उपभोग में इस वर्ष की तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 6.8 प्रतिशत रही थी। सकल स्थिर पूंजी निर्माण में भी अतुलनीय 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में केवल 5.8 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, रोजगार निर्मित करने वाले क्षेत्रों में भी विकास दर प्रभावशाली रही है। वित्तीय क्षेत्र में वृद्धि दर 12.1 प्रतिशत की दर्ज हुई है तो व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की गई है। साथ ही गैस एवं विजली उत्पादन में भी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत की रही है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल भुगतान, फिन टेक, इंजिनीयरिंग डिजाइन, व्यापार परामर्श, वैश्विक ग्लोबल योग्यता सेंटर, आदि क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व में लीड कर रहा है। मेक इन इंडिया योजना ने भारतीय नागरिकों में जोश भरा और भारत की प्रतिभा का डंका पूरे विश्व में बज गया है। दूसरे, भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी लागू किया गया। इस योजना ने भारत को उपभोक्ता बाजार से निकालकर मजबूत वैश्विक विनिर्माण हब में बदल दिया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 14 प्रमुख क्षेत्रों में करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल उत्पादन हुआ है एवं 12 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए। इसके उपरांत प्रारम्भ हुई प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत सड़क, रेल, बंदरगाह, एयरपोर्ट और लाजिस्टिक को पहली बार इंटीग्रेटेड तरीके से जोड़ने की कोशिश की गई। समर्पित मालवाहक गलियारों का निर्माण तो इस दृष्टि से मील का पत्थर साबित हुए हैं। नए एक्स्प्रेस वे ने माल ढुलाई का समय घटाया। लागत को कम किया और भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया। 86,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात इस सफलता की कहानी को दर्शाता है।

निर्यात में अतुलनीय वृद्धि दर उस समय पर हासिल की गई है जब अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरे विश्व को परेशान किया हुआ है। साथ ही, रूस यूक्रेन युद्ध, ईरान इजराईल-अमेरिका युद्ध, इजराईल हमास युद्ध एवं वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का बने रहना भी शामिल है। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने उत्पादों एवं सेवा के क्षेत्र में निर्यात का रिकार्ड बनाया है। जबकि कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती बनी हुई है। भारत के कुल निर्यात में सेवा क्षेत्र की कुल हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। यदि भारत को चीन जैसी विनिर्माण क्षेत्र की ताकत बनाना है तो भारत को हाई वैल्यू मैन्युफेक्क्ररिंग, सेमीकंडक्टर, मशीनरी, और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र को और अधिक मजबूत करना होगा। घरेलू उत्पाद बढ़ाकर न केवल उत्पादों के आयात को कम किये जाने का प्रयास किया जा रहा है बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेसरी भी बढ़ाई जा रही है। भारत में हाल ही में आई मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक क्रांति का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 2 मोबाइल उत्पादन इकाईयां कार्यरत थीं। आज भारत मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता देश बन गया है। ऐपल की फ्लेगशिप कम्पनी अब मैन्युफेक्क्ररिंग इन इंडिया की ओर आगे बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन 2014-15 के 1.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 13.11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। रक्षा के क्षेत्र में भी उत्पादन एवं निर्यात तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। रक्षा के क्षेत्र में भारत अपनी छोटी मोटी जरूरतों के लिए अन्य देशों की ओर देखता था आज वह फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाईल का निर्यात कर रहा है। कई अफ्रीकी देशों को मेड इन इंडिया हेलिकोप्टर निर्यात कर रहा है। अब देश की कुल जरूरत का लगभा 65 प्रतिशत रक्षा उत्पाद देश में ही निर्मित हो रहा हैं। जो रक्षा उत्पादन वर्ष 2014-15 में 46,429 करोड़ रुपए का था वह 2025-26 में बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच चुका है। रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच चुका है। आज रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों का निर्यात 100 से अधिक देशों को किया जा रहा है। ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में उत्पादन में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है एवं फार्मा क्षेत्र में तो भारत को फार्मेसी आफ द वर्ल्ड कहा जा रहा है। भारत की एक्स्पोर्ट बास्केट भी बढ़ रही है - पेट्रोलीयम उत्पाद, इंजिनीयरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेक्स्टायल जैसे कई क्षेत्रों में विकास दर तेजी से बढ़ रही है। भारत किसी एक सेक्टर पर निर्भर नहीं है। कई क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ रहा है। दुनिया की सप्लाई चैन में भारत की नई भूमिका तय हो रही है। भारत एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात करने की ओर आगे बढ़ रहा है।

(प्रहलाद सबनानी, सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

संपादकीय

फिर-फिर निर्भया कांड

एक बार फिर बारह साल पुराने निर्भया कांड की पुनरावृत्ति हुई है। निर्भयाकांड में दिसंबर 2012 में 23 साल की युवती के साथ क्रूरता से गैंगरेप हुआ था, जिसकी बाद में सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में व्यापक आक्रोश उभरा था। यौन हिंसा के खिलाफ कानून कठोर किए गए। इस कांड में साल 2020 में चार अपराधियों को फांसी की सजा दी गई थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या सख्त कानून और कठोर सजाओं के बाद ऐसे अपराधों पर अंकुश लगा? दुखद है कि एक बार फिर निर्भयाकांड की पुनरावृत्ति हुई । अकेली नाबालिग लड़की, खाली बस और चलती बस में चालक-परिचालक द्वारा गैंग रेप। उ.प्र. की एक सोलह साल की लड़की किसी बात पर मां की डांट से क्षुब्ध हो घर छोड़कर अपने रिश्तेदार से मिलने नोयडा सेक्टर-63 के लिये चली। लेकिन रात के अंधेरे और बारिश के मौसम की गफलत में नोयडा के परी चौक पर उतर गई। सेक्टर-63 जाने के लिये उसने जिस बस को रुकवाया, उसमें बैठे दरिंदों ने बस के वहीं जाने की बात कहकर उसे बैठा लिया। पर्दे लगी स्लीपर बस में लड़की के बैठते ही परिचालक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। चालक-परिचालक ने दुराचार किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब 47 किलोमीटर के सफर में उसके साथ यौन हिंसा हुई। अपराधी उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड में छोड़कर फरार हो गए। किशोरी ने साहस दिखाते हुए रात ही में कश्मीरी गेट पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में टीम बनाकर पड़ताल की। बस की पहचान व रूट की जानकारी सीसीटीवी कैमरों के जरिये की गई। चालक-परिचालक को तिमारपुर की बस पार्किंग से गिरफ्तार किया गया। फोरेंसिक जांच के लिये बस को भी कब्जे में लिया गया है। लेकिन सवाल है कि चार अगस्त की घटना को पुलिस ने क्यों पर्दे में रखा? आखिर क्यों हादसे की सार्वजनिक जानकारी 31 अगस्त को मीडिया को दी गई? वहीं दूसरी ओर इंसान के पतन की पराकाष्ठा दिल्ली के बवाना इलाके में सामने आई, जहां स्कूल बस चालक को नर्सरी की एक बच्ची का यौन उत्पीड़न करने पर गिरफ्तार किया गया है। घटना 19 अगस्त को सामने आई जब नर्सरी की छात्रा के परिजनों ने उसके निजी अंगों पर चोट के निशान देखे। बच्ची ने अपनी मां को स्कूल के एक गंदे अंकल के बारे में बताया जो उसे चॉकलेट देता था। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचित करने के बाद बस चालक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शुरुआती जांच के अनुसार बच्ची से चार बार यौन दुर्व्यवहार किया गया था। किसी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली ये घटनाएं जहां समाज में भरोसे को तोड़ती हैं, वहीं कानून व्यवस्था के प्रश्न को भी उठाती हैं। इन मुद्दों पर राजनीति भी जमकर शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि डबल इंजन सरकार में दिल्ली रेप कैपिटल बनती जा रही है। इसके बावजूद कि दिल्ली में एक महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं कुछ राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि जनता की सुरक्षा व अपराध रोकने के कार्य के बजाय पुलिस पर अन्य कार्यों का बोझ डाला जा रहा है। वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं का कहना है कि पुलिस ने मामले की तह तक जाकर अपराधियों को समय रहते गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई में तेजी दिखायी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि वे जागरूक रहें और ऐसी घटनाओं की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। लेकिन मुख्य सवाल यह है कि भारत में यौन लिप्साओं के विस्फोट की असली वजह क्या है? क्यों किन्हीं कमजोर स्थितियों में महिला, लड़की व बच्ची की उम्र का भी लिहाज न कर, यौन हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है? हमारा समाज पतनोन्मुखी क्यों होता जा रहा है? क्या यौन अपराधों के मूल में मोबाइल में इंटरनेट के जरिये परोसी जा रही यौन उत्तेजक सामग्री है? देश के समाज विज्ञानियों को इस गंभीर प्रश्न पर मंथन करना होगा।

13 साल की बच्ची ने लिखी रियलाइजेशन नाम की एक किताब!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

जो उम्र खेलने -कूदने और पढ़ने की हो और अगर उस उम्र में कोई बच्चा किताब लिख दे, तो आश्चर्य होना स्वाभाविक है।रुड़की निवासी और मसूरी के एक पब्लिक स्कूल में कक्षा 8 में पढ़ रही निमिषा गोयल ने बाल उम्र में एक पुस्तक का लेखिका होने का सौभाग्य प्राप्त किया है।दिलचस्प बात यह है कि उनकी पुस्तक न तो कार्टून आधारित है और न ही कोई कॉमिक्स,बल्कि गहन चिंतन आधारित रियलाइजेशन है।जिसमे जीवन के विभिन्न पहलुओं को लेकर चर्चा की गई है।प्रतिबिंब द्वारा प्रकाशित इस 40 पृष्ठों की पुस्तक में बाल लेखिका निमिषा गोयल चिंतन करती दिखती है कि हम सब एक ऐसी दुनिया में विश्वास करते हुए बड़े होते हैं जो सिर्फ़ हमारी कल्पना में होती है।एक ऐसी दुनिया जहाँ खुशी हमेशा बनी रहती है, दयालुता कभी नहीं भुलाई जाती, और हर अंत खूबसूरत होता है।फिर, एक दिन, असलियत चुपचाप सामने आ जाती है।यह इजाज़त नहीं मांगती। यह कोई चेतावनी देकर नहीं आती। यह बस लोगों, रिश्तों और खुद आपके बारे में आपका नज़रिया बदल देती है। ये पन्ने कोई कहानी सुनाने के लिए नहीं हैं।ये उन जगहों से इकट्ठा किए गए विचारों, सवालों और अहसासों के टुकड़े हैं ,जहाँ सपने असलियत से मिलते हैं।

कुछ बातें जानी-पहचानी लग सकती हैं, कुछ अजीब, और कुछ ऐसी सच्चाइयाँ सामने ला सकती हैं जिनका सामना करने की हिम्मत आपने कभी नहीं की होगी। लेखिका के शब्दों में,शायद सबसे डरावनी कल्पनाएँ वे नहीं होतीं,जो हम बनाते हैं, बल्कि वे होती हैं जिन पर हम विश्वास करते हैं।

इन विश्वास के पन्नों को पलटते हुए याद रखें—

कभी-कभी सबसे बड़ी समझ सच्चाई का पता लगाना नहीं होती... बल्कि यह समझना होता है कि इसमें कितना समय लगा। हर किसी की ज़िंदगी में एक ऐसा पल आता है जब हकीकत चुपचाप कल्पना की जगह ले लेती है।

यह सब अचानक नहीं होता। यह लोगों, अनुभवों, खामोशी, नुकसान और उन सवालों के ज़रिए होता है जो हमारे दिमाग से जाते ही नहीं। रियलाइज़ेशन्स का जन्म भी उन्हीं पलों से हुआ है। इन पन्नों का मकसद किसी को कुछ सिखाना या मनाना नहीं है। ये बस उन विचारों की झलक हैं जो लेखिका के साथ रही उन सच्चाइयों की जिन्हें उन्होंने अपने आस-पास की दुनिया को समझने की कोशिश करते हुए जाना है। हर इंसान दुनिया को अलग नज़रिए से देखता है। मेरी बस यही उम्मीद है कि इन पन्नों में कहीं न कहीं आपको कोई ऐसी बात मिल जाए जो आपको सोचने पर मजबूर करे, या चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने का मौका दे।

शायद हकीकत उतनी भी बुरी नहीं है जितनी लगती है, या शायद कल्पना उतनी भी खूबसूरत नहीं है जितना हम मानते हैं। इसका जवाब आपको खुद खोजना है।

इस पुस्तक में एक खास चैप्टर है ,मास्क के पीछे छिपा चेहरावही लेखिका अपने खास अंदाज में सवाल करती है,क्या खूबसूरती मायने नहीं रखती?वो गूँज जो कभी सुनी नहीं गईं,बुरे सपने में अकेले होना,हमारे मन की शांति की चाबी,क्या यह असलियत से भागना है?,क्या समय नहीं रुक सकता?,अनकहे शब्दों का बोझ,क्या मैंने कुछ ज़्यादा कह दिया?,कभी सब कुछ था, अब कुछ नहीं,ज़िंदगी का एक सबक शीर्षक से अलग अलग चैप्टर्स में लेखिका ने विचारों की ऐसी मथनी चलाई कि सफलता का मक्खन निकल आया।

इतनी कम उम्र में जब निमिषा लिखती है कि ज़िंदगी में बहुत से लोग जो सबसे मुश्किल सबक सीखते हैं, वह है अपनी असली भावनाओं को छिपाना।

समय के साथ, इंसान दिखावा करने में बहुत माहिर हो जाता है -उसे ठीक-ठीक पता होता है कि कब मुस्कुराना है, कब हंसना है,और जब वह ठीक न हो, तब भी कैसे कहना है कि मैं ठीक हूँ।बाहर से वे शांत, खुश और मज़बूत दिख सकते हैं।लेकिन अंदर ही अंदर, उनके विचार भारी, उलझे हुए और थके हुए हो सकते हैं -

मानो अनकही भावनाओं के बोझ तले मन धीरे-धीरे टूट रहा हो।इस तरह का दर्द शोर नहीं मचाता।यह हमेशा आँसुओं या गुस्से के ज़रिए ज़ाहिर नहीं होता।

इसके बजाय, यह खामोश रहता है। यह सीने में पत्थर की तरह बैठ जाता है।

यह दिन भर इंसान के साथ रहता है और रात की खामोशी में फुसफुसाता है। यह भीड़-भाड़ वाली जगह पर भी अकेलेपन का एहसास कराता है।यह एक ऐसा दर्द है जो खामोशी के ज़रिए जीना सिखाता है।

यह साफ़ हो जाता है कि ऐसा महसूस करने में कोई भी सच में अकेला नहीं है।

हर इंसान एक ऐसी लड़ाई लड़ रहा होता है जो दिखाई नहीं देती।इन चिंतनशील विचारों को पढ़कर पता चलता है कि निमिषा उम्र की दृष्टि से भले ही बच्ची हो,लेकिन उनकी सोच पूर्ण विकसित और परिपक्व हो चुकी है,जो समाज और देश मे नई विचार क्रांति की वाहक बन सकती है।निमिषा गोयल नामक इस बच्ची को मेरी शुभकामनाएं।

(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व जाने माने साहित्यकार है)

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की।

आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

विचार मंथन

मल्टीनेशनल और टेक कंपनियों से ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा खतरा?

(लेखक- सनत जैन)

इतिहास कभी मरता नहीं है, वह बार-बार नए रूप में हमारे सामने आता है। सवाल यह है, क्या भारत ने ईस्ट इंडिया कंपनी के इतिहास से कोई सबक सीखा है? 18वीं शताब्दी में व्यापार करने आई यह कंपनी धीरे-धीरे इतनी शक्तिशाली हो गई, उसने भारत के बड़े हिस्से पर राजनीतिक और प्रशासनिक नियंत्रण स्थापित कर लिया। व्यापार उसके लिए केवल कारोबार नहीं था, बल्कि सत्ता तक पहुंचने का रास्ता भी बन गया। आज परिस्थितियां बदली हैं, कंपनियों के नाम बदल गए हैं, तकनीक बदल गई है, सवाल फिर वही खड़ा है— क्या आर्थिक शक्ति धीरे-धीरे राजनीतिक और सामाजिक शक्ति के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी के इतिहास को दोहरा रही है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने व्यापारिक समझौतों, वित्तीय सहायता, सैन्य सुरक्षा और राजनीतिक हस्तक्षेप के जरिए भारतीय रियासतों में अपना प्रभाव बढ़ाया। अनेक भारतीय शासक तत्काल लाभ और सुरक्षा के लिए कंपनी पर निर्भर होते चले गए। परिणाम यह हुआ कि जिस कंपनी को व्यापार के लिए चुना गया था, वही धीरे-धीरे शासक बन गया। आज भारत, 140 करोड़ से अधिक आबादी का देश है। हमारे सामने तलवार लेकर कोई विदेशी कंपनी नहीं खड़ी है। डिजिटल युग में सत्ता का स्वरूप बदल चुका है। डेटा, तकनीक, संचार नेटवर्क, डिजिटल भुगतान, सोशल मीडिया, क्लाउड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ई-कॉमर्स के आधुनिक दौर में यह नए सामरिक संसाधन हैं। जिस कंपनी के पास करोड़ों नागरिकों के व्यवहार, पसंद, आर्थिक गतिविधियों और संचार से जुड़ा विशाल डेटा है, उसके पास केवल व्यापारिक ताकत नहीं रहती; वह समाज की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। 1990 दशक के बाद भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए तेजी से खुला। विदेशी निवेश और वैश्विक व्यापार ने भारत को पूंजी, तकनीक और रोजगार के नए अवसर दिए। इसमें कोई संदेह नहीं है, बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आर्थिक विकास के साथ एक दूसरा सवाल पैदा हुआ, क्या सरकारों ने आर्थिक उदारीकरण के साथ उतनी ही मजबूती से नागरिकों के अधिकारों और बाजार में प्रतिस्पर्धा की, सुरक्षा को लेकर चिंता की। 2014 के बाद सभी क्षेत्रों में विदेशी निवेश के रास्ते खुले। रक्षा, मीडिया, बैंकिंग सहित संवेदनशील क्षेत्रों में भी निजी और विदेशी पूंजी की भूमिका बढ़ी। भारतीय कंपनियों और वैश्विक कंपनियों के बीच साझेदारियां हुईं। यह आर्थिक विकास का हिस्सा हो सकता है, लेकिन जब बड़ी कंपनियां इतनी शक्तिशाली हो जाएं, कि बाजार, उपभोक्ता और सरकार, तीनों उनकी तकनीकी व्यवस्था पर निर्भर होने लगें, तब लोकतंत्र के लिये ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा खतरा पैदा होता है। ईस्ट इंडिया कंपनी के पास बंदूक थी; आज की डिजिटल कंपनियों के पास एल्गोरिद्म है। उस समय ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापारिक रास्तों को माध्यम बनाकर शासक को नियंत्रित करती थी। आज डिजिटल कंपनियां सूचना और संचार माध्यम से शासन को प्रभावित कर रही हैं। उस समय सत्ता पर कब्जे का रास्ता आर्थिक निर्भरता से होकर जाता था। वर्तमान में डिजिटल निर्भरता उससे भी बड़ा जोखिम पैदा कर रही है। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब सरकारें भी निजी क्षेत्र की कंपनियों के तकनीकी ढांचे पर अत्यधिक निर्भर हो जाएं। नागरिकों की पहचान, भुगतान, संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और प्रशासन का बड़ा हिस्सा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हो गया है। ऐसे में प्रश्न केवल यह नहीं रह जाता, कंपनी कितना मुनाफा कमा रही है। प्रश्न यह है, टेक एवं बहुराष्ट्रीय कंपनी के पास कितनी शक्तिशाली हो रहीं है। उस शक्ति पर संविधान, शासन एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था का नियंत्रण कितना है? कॉर्पोरेट लॉबिंग भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बड़ी चुनौती है। कानून जनता के हित में बनेंगे या उन कंपनियों के हित में बनेंगे, जिनके पास सरकारों और नीति-निर्माताओं को प्रभावित करने के लिए विशाल संसाधन हैं। यह सवाल दुनिया के अनेक लोकतांत्रिक देशों में उठ रहा है। अमेरिका और यूरोप में बिग टेक की बाजार शक्ति, डेटा नियंत्रण और उनके जनीतिक प्रभाव पर जो बहस हो रही है, वह इसी चिंता को दर्शाती है। भारत के सामने चुनौती विदेशी कंपनियॉ अकेली की नहीं हैं, चुनौती है, किसी भी कंपनी का इतना शक्तिशाली हो जाना कि सरकार, बाजार और नागरिक उसके बिना आर्थिक एवं सामाजिक रूप से अशक्त हो जायें। यह शक्ति विदेशी कंपनी के पास हो या भारतीय कंपनी के पास, लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा समान है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को सिखाया था, जब राज्य कमजोर और आर्थिकहित अत्याधिक शक्तिशाली हो जाएं, तो शासन व्यवस्था खतरे में पड़ती हैं। स्वतंत्र भारत में उसी इतिहास को, डिजिटल युग की रोशनी में देखने की जरूरत है। भारत को विदेशी पूंजी चाहिए, तकनीक चाहिए, निवेश चाहिए और वैश्विक कंपनियों की जरूरत भी है। लेकिन नियंत्रण की कीमत पर विकास नहीं चाहिए। सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि डेटा नागरिक का है, उसके अधिकार सुरक्षित रहें। बाजार प्रतिस्पर्धी रहे, कानून कंपनियां नहीं बल्कि संसद बनाए, प्रशासन कंपनियों की नीतियों का बंधक न बने। न्यायपालिका तथा लोकतांत्रिक संस्थाएं कॉर्पोरेट प्रभाव से पूरी तरह स्वतंत्र रहें। गुलामी जंजीरों से नहीं आती है, बल्कि कभी-कभी भौतिक सुविधाओं के रूप में भी आती है, फिर निर्भरता बनती है और अंततः नियंत्रण में बदल जाती है।

एआई-171 हादसे का असर, भारत-ब्रिटेन रूट पर एयर इंडिया के यात्री घटे

- प्रतिस्पर्धियों ने बेहतर प्रदर्शन किया, परिचालन चुनौतियां भी बढ़ीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। 12 जून 2025 को एआई-171 विमान हादसे के बाद भारत-ब्रिटेन मार्ग पर एयर इंडिया के यात्री यातायात में लगातार कमजोरी दर्ज हुई है। विमानन विश्लेषण कंपनी सिरियम के आंकड़ों के मुताबिक, हादसे के बाद एयर इंडिया की सीट क्षमता के मुकाबले यात्रियों की संख्या में अधिक तेजी से गिरावट आई, जबकि इसी मार्ग पर उड़ान भरने वाली अन्य विमान कंपनियों ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया। दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट अभी लंबित है। हादसे के बाद के महीनों में एयर इंडिया के प्रदर्शन में स्पष्ट गिरावट देखी गई। जून 2025 में क्षमता वृद्धि के बावजूद यात्री वृद्धि धीमी रही। जुलाई से अक्टूबर तक, जहां क्षमता गिरी या स्थिर रही, यात्रियों की संख्या में 12 से 19 फीसदी की गिरावट आई। वहीं, ब्रिटिश एयरवेज और वर्जिन अटलांटिक जैसी अन्य कंपनियों की यात्री संख्या में 10 फीसदी से अधिक की लगातार वृद्धि देखी गई। एयर इंडिया को परिचालन संबंधी चुनौतियां भी बढ़ीं। मई 2025 में पाकिस्तान और फरवरी 2026 में पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों से उसे ब्रिटेन जाने के लिए लंबे और महंगे वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़े। फरवरी, अप्रैल और मई 2026 में यात्रियों की संख्या में क्रमशः 9.8 फीसदी, 26.8 फीसदी और 24.6 फीसदी की गिरावट आई, जबकि सीट क्षमता उतनी नहीं घटी। हालांकि, एयर इंडिया का दावा है कि उसे ग्राहकों से लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और वह बदलते परिचालन तथा प्रतिस्पर्धा के बीच ग्राहक अनुभव सुधारने पर काम कर रही है।

हुंडई की अगस्त बिक्री में रिकॉर्ड उछाल

नई दिल्ली

हुंडै मोटर इंडिया लिमिटेड ने अगस्त में अपनी कुल बिक्री में 8.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 65,796 इकाई रही। कंपनी की घरेलू बिक्री 23.6 फीसदी बढ़कर 54,396 इकाई रही, जो अगस्त महीने का अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। वाहन विनिर्माता हुंडई ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसकी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष और भू-राजनीतिक चुनौतियों से निर्यात (11,400 इकाई) प्रभावित हुआ। कंपनी के एमडी और सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, अप्रैल-अगस्त में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 12.6त्न बढ़ी है, जो मजबूत वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने आने वाले महीनों में निर्यात में सुधार की उम्मीद जताई। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की अगस्त में कुल बिक्री 8.8 प्रतिशत बढ़कर 65,796 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने मंगलवार को बताया कि अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत बढ़कर 54,396 इकाई रही जबकि निर्यात 11,400 इकाई रहा।हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा, ''वित्त वर्ष 2026-27 में हमारी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है। अप्रैल-अगस्त अवधि में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढ़ी है।''उन्होंने बताया कि अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 54,396 इकाई रही जो अगस्त महीने में दर्ज अब तक की सर्वाधिक बिक्री है। गर्ग ने कहा कि अगस्त में कुल निर्यात पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और समीक्षाधीन महीने के दौरान व्यापक भू-राजनीतिक चुनौतियों से उत्पन्न लॉजिस्टिक बाधाओं से प्रभावित हुआ। हालांकि, स्थिति में सुधार होने के साथ आने वाले महीनों में निर्यात मांग मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

एचएफसीएल को मिला 24.4 करोड़ का विशाल निर्यात ठेका

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण निर्माता एचएफसीएल को ऑप्टिकल फाइबर केबल आपूर्ति हेतु एक वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनी से 24.4 करोड़ डॉलर (करीब 2,329 करोड़ रुपये) का निर्यात ठेका मिला है। यह समझौता दिसंबर 2029 तक तीन साल के लिए है। कंपनी ने हालांकि इस ग्राहक का नाम गोपनीय रखा है। एचएफसीएल ने मंगलवार को शेयर बाजार को सूचित किया कि उसकी विदेशी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिए उच्च गुणवत्ता वाले, अधिक फाइबर क्षमता वाले ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) की आपूर्ति की जाएगी। इस ठेके के तहत आपूर्ति 2027 से शुरू होगी।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 12, निफ्टी 24 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 12.99 अंक गिरकर 76,944.28 पर रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 24.60 अंक फिसलकर 24,055.80 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर कुल 4559 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2555 में गिरावट दर्ज की गई, जबकि केवल 1769 शेयरों में बढ़त रही। इसमें से 235 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। यह आंकड़ा दिखाता है कि बाजार में गिरावट का रुख व्यापक था।आज क्षेत्रीय मोर्चे पर, फार्मा सेक्टर ने सबसे ज्यादा गिरावट रही, जिसमें निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.5 फीसदी नीचे आया। इसके बाद निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में भी 1.4फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी ऑटो और निफ्टी पीएसयू बैंक सूचकांकों में 1.2फीसदी की कमी आई, जबकि निफ्टी बैंक 1फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.9फीसदी गिरे। इसके विपरीत, कुछ सेक्टरों में हल्की बढ़त देखी गई। निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी आईटी में 0.9फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि निफ्टी इंफ्रा, मीडिया और ऑयल एंड गैस सेक्टर 0.3फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।निफ्टी के प्रमुख शेयरों में श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी, नेस्ले, इंटरग्लोब एविएशन और मैक्स हेल्थकेयर सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में शामिल रहे, जिन्होंने बाजार पर दबाव बढ़ाया। दूसरी ओर, आईटीसी, अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और ओएनजीसी जैसे शेयरों ने बाजार को कुछ हद तक सहारा देने की कोशिश की और बढ़त के साथ बंद हुए। व्यापक बाजार की बात करें तो, मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी नकारात्मक प्रदर्शन रहा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 72 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.92 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार के शुरुआती कारोबार के दौरान भारतीय रुपये में 26 पैसे की तेजी दर्ज की गई। 95.06 के स्तर पर खुलने के बाद यह मजबूत होकर 94.96 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों के अनुसार निकट अवधि में रुपये को 95.10 से 95.20 के दायरे में मजबूत समर्थन मिल रहा है।रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 26 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपये को निकट अवधि में 95.10-95.20 के आसपास मजबूत समर्थन मिलता दिख रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.06 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें तेजी आई और यह 26 पैसे की बढ़त दर्ज करते हुए 94.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपये ने सोमवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई की और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की बढ़त के साथ 95.22 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.46 पर रहा।

टाटा के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री अगस्त में बढ़कर 44,411 इकाई पहुंची

नई दिल्ल।

टाटा मोटर्स लिमिटेड ने अगस्त महीने में अपनी वाणिज्यिक वाहन (सीवी) बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि कुल बिक्री में पिछले साल के मुकाबले 49 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है, जो 44,411 इकाई तक पहुंच गई। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा 29,863 इकाई था। कंपनी के बयान के अनुसार घरेलू वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 33 प्रतिशत बढ़कर 36,619 इकाई रही, जो अगस्त 2022 में 27,481 इकाई थी। सबसे प्रभावशाली वृद्धि अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में देखने को मिली, जहां कंपनी ने 7,792 इकाई बेचीं। यह एक साल पहले इसी महीने बेची गई 2,382 इकाइयों की तुलना में 227 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाती है, जो वैश्विक बाजारों में कंपनी के मजबूत प्रदर्शन को रेखांकित करता है।

ई-वाणिज्यिक वाहन निर्माता मुश्किल में, पीएम ई-ड्राइव की स्थानीयकरण शर्तों पर मांगी मोहलत

चीन के दुर्लभ खनिज मैग्नेट पर निर्यात प्रतिबंधों के कारण ट्रैक्शन मोटर के स्थानीय उत्पादन में बाधा

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन (ई-सीवी) बनाने वाली कंपनियां प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत स्थानीय विनिर्माण की जरूरतों को पूरा करने में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। मंगलवार से लागू होने वाले कड़े नियमों के बीच, उद्योग ने स्थानीय स्तर पर ट्रैक्शन मोटर और मोटर नियंत्रण प्रणाली के उत्पादन की समय-सीमा में सात महीने की बढ़ोतरी की मांग की है। इसकी मुख्य वजह चीन द्वारा दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध हैं, जिसने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने भारी उद्योग मंत्रालय से 1 सितंबर, 2026 से लागू होने वाली स्थानीयकरण की समय-सीमा को 1 अप्रैल, 2027 तक बढ़ाने का आग्रह किया है। सायम ने अपने पत्र में डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसे दुर्लभ खनिज तत्वों पर चीन के निर्यात नियंत्रण को मुख्य कारण बताया, जो स्थायी मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा डाल रहे हैं। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्शन मोटर के लिए महत्वपूर्ण हैं। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि उद्योग के इस अनुरोध पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। पीएम ई-ड्राइव योजना के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) के तहत, ट्रैक्शन मोटर के मुख्य पुर्जों का भारत में ही विनिर्माण अनिवार्य है। सरकार ने पहले इन नियमों को सितंबर 2025 से लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन उद्योग की प्रतिक्रिया के बाद इसे दो बार बढ़ाया जा चुका है, अंतिम समय-सीमा 1 सितंबर, 2026 निर्धारित की गई थी। उद्योग अब भी आपूर्ति संबंधी अनिश्चितता से जूझ रहा है। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि उद्योग के इस अनुरोध पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। पीएम ई-ड्राइव योजना के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) के तहत, ट्रैक्शन मोटर के मुख्य पुर्जों का भारत में ही विनिर्माण अनिवार्य है। सरकार ने पहले इन नियमों को सितंबर 2025 से लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन उद्योग की प्रतिक्रिया के बाद इसे दो बार बढ़ाया जा चुका है, अंतिम समय-सीमा 1 सितंबर, 2026 निर्धारित की गई थी।

जोमैटो ने प्लेटफॉर्म से हटाए कृत्रिम डेरी उत्पाद

एफएसएसएआई की कार्रवाई के बाद कंपनी ने उठाया कदम;

नई दिल्ली ।

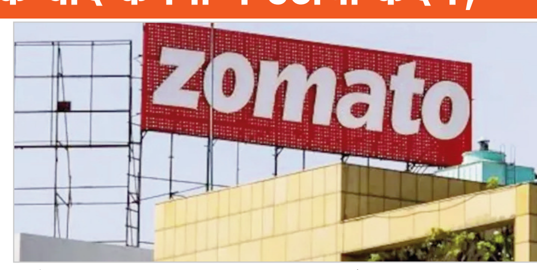

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपने प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध रेस्टोरेंट्स द्वारा एनालॉग (कृत्रिम) डेरी उत्पादों की बिक्री पर सख्त नीति अपनाने की घोषणा की है। कंपनी ने उन सभी व्यंजनों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है, जिनमें एनालॉग डेरी उत्पादों का उपयोग होने की बात रेस्टोरेंट्स ने घोषित की थी। यह महत्वपूर्ण कदम भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा महाराष्ट्र में की गई कार्रवाई के बाद उठाया गया है, जिसने नकली डेरी उत्पादों की निगरानी और परीक्षण प्रक्रिया को मजबूत करने का भी निर्देश दिया था, जिसके तहत कई भोजनालयों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। एनालॉग डेरी उत्पाद मुख्य रूप से पनीर, घी, खोया और मक्खन जैसे पारंपरिक डेरी उत्पादों के कृत्रिम विकल्प होते हैं, जिन्हें असली सामग्री के बजाय सस्ते पदार्थों से तैयार किया जाता है। जोमैटो ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई पारदर्शिता और खाद्य गुणवत्ता के प्रति उसके गंभीर रुख को दर्शाती है। कंपनी ने कहा कि उल्लंघन पाए जाने पर किसी भी उत्पाद को सूची से हटाने का अधिकार उसके पास सुरक्षित है। जोमैटो ने अपने रेस्टोरेंट साझेदारों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए हैं। उन्हें केवल प्राकृतिक डेरी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने, मेन्यू से एनालॉग डेरी उत्पादों वाली वस्तुओं को हटाने और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रदान किए गए उत्पाद लेबल व सामग्री घोषणाओं की गहन समीक्षा करने को कहा गया है। कंपनी ने चेतावनी दी है कि नियमों का ठीक तरीके से पालन न करने वाले रेस्टोरेंट्स को प्लेटफॉर्म की सूची से हटा दिया जाएगा। जोमैटो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य मंगला ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा, जोमैटो का लक्ष्य लोगों को बेहतर भोजन उपलब्ध कराना है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- सीईए

मुंबई ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने घोषणा की कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। उन्होंने इस स्थिरता का श्रेय पिछले कई वर्षों में किए गए संरचनात्मक सुधारों को दिया। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के बाद उन्होंने बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आर्थिक वृद्धि मजबूत रही। इस तिमाही में वास्तविक जीडीपी में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही के 8.6 फीसदी से थोड़ी कम है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि कृषि क्षेत्र का योगदान कम रहा। नागेश्वरन ने जोर देकर कहा कि अर्थव्यवस्था की यह मजबूती कई अन्य आर्थिक संकेतकों से भी परिलक्षित होती है। उन्होंने स्वीकार किया कि वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों, ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों तथा खाद्य कीमतों को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं। इस बार जीडीपी के आकलन में डबल डिफ्लेशन नामक नई अंतरराष्ट्रीय पद्धति का प्रयोग किया गया है, जिसकी जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (मॉस्पी) के सचिव सौरभ गर्ग ने दी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- 7.8 फीसदी जीडीपी वृद्धि बेहद उत्साहजनक

विनिर्माण, सुधार और विदेशी निवेश ने बढ़ाया भरोसा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति पर गहरा संतोष व्यक्त किया है, खासकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में हासिल 7.8 फीसदी की प्रभावशाली जीडीपी वृद्धि को रेखांकित करते हुए। उन्होंने इस उल्लेखनीय प्रगति को भारतीय नागरिकों की कठिन परिस्थितियों और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद की गई कड़ी मेहनत का परिणाम बताया।

सीतारमण ने जानकारी दी कि इस अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में सकारात्मक विकास देखा गया। उन्होंने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार का श्रेय राज्यों के सहयोग को दिया, साथ ही सरकार द्वारा 1,000 से अधिक पुराने कानूनों को हटाने और लगभग 40,000 नियमों को सरल बनाने के प्रयासों का भी जिक्र किया।

वित्त मंत्री ने एफसीएनआर जमा और विदेशी निवेश में वृद्धि को भारतीय बैंकिंग प्रणाली और अर्थव्यवस्था में बढ़ते भरोसे का स्पष्ट संकेत बताया। उन्होंने कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों से अर्थव्यवस्था के सकारात्मक आंकड़ों को स्वीकार करने का आग्रह किया, यह कहते हुए कि राजनीतिक कारणों से भारतीय अर्थव्यवस्था की नकारात्मक तस्वीर पेश करना उचित नहीं है। सीतारमण ने स्वीकार किया कि कुछ क्षेत्रों में सुधार की गुंजाइश हो सकती है, लेकिन लगातार अच्छे आर्थिक आंकड़े भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाते हैं। उन्होंने कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और उर्वरकों के आयात से जुड़ी चुनौतियों को भी स्वीकार किया, लेकिन जोर दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार खुद को लगातार ढाल रही है। उन्होंने आरबीआई के सकारात्मक आकलन का हवाला देते हुए विश्वास जताया कि सरकार हर चुनौती में भारत को लाभ की स्थिति में रखने के लिए काम करेगी।

अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, वित्त मंत्री ने पोलैंड, कतर, दक्षिण कोरिया और रूस के साथ सफल द्विपक्षीय बैठकों की जानकारी दी, जहां सभी देशों ने भारत के साथ संबंध मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कनाडा और अमेरिका में निवेशकों, पेंशन फंड और फंडिंग एजेंसियों के साथ मुलाकातों का भी जिक्र किया, जिन्होंने भारत में निवेश में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने बताया कि आयात प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने के लिए कस्टम्स और बैंकिंग क्षेत्र में कई सुधार किए जा रहे हैं।

हुंडई की अगस्त बिक्री में रिकॉर्ड उछाल

नई दिल्ली ।

हुंडै मोटर इंडिया लिमिटेड ने अगस्त में अपनी कुल बिक्री में 8.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 65,796 इकाई रही। कंपनी की घरेलू बिक्री 23.6 फीसदी बढ़कर 54,396 इकाई रही, जो अगस्त महीने का अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। वाहन विनिर्माता हुंडई ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसकी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष और भू-राजनीतिक चुनौतियों से निर्यात (11,400 इकाई) प्रभावित हुआ। कंपनी के एमडी और सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, अप्रैल-अगस्त में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 12.6त्न बढ़ी है, जो मजबूत वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने आने वाले महीनों में निर्यात में सुधार की उम्मीद जताई। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की अगस्त में कुल बिक्री 8.8 प्रतिशत बढ़कर 65,796 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने मंगलवार को बताया कि अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत बढ़कर 54,396 इकाई रही जबकि निर्यात 11,400 इकाई रहा।हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा, ''वित्त वर्ष 2026-27 में हमारी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है।

पशुधन क्षेत्र की सुस्ती से कृषि जीवीए वृद्धि दर धीमी

कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि पहली तिमाही में घटी, पशुपालन पर मौसम का असर पड़ा भारी

मुंबई ।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों की सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 4.4 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत पर आ गई है, जो कृषि क्षेत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। विशेषज्ञों का कहना है कि कृषि जीवीए में आई यह गिरावट मुख्य रूप से पशुपालन और पशुधन क्षेत्रों में कम उत्पादन के कारण हुई है। दरअसल, अप्रैल से जून 2026 के दौरान देश के कई हिस्सों में आई बाढ़ और अत्यधिक गर्मी ने पशुधन को बुरी तरह प्रभावित किया था, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री ने भी इस बात पर सहमति जताई कि पशुधन क्षेत्र का जीवीए पर यह प्रभाव अत्यधिक संभावित है, क्योंकि आमतौर पर पहली तिमाही में कृषि गतिविधियां कम रहती हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वित्त वर्ष 2027 के लिए कृषि जीवीए पर कम मॉनसून का वास्तविक असर आने वाली तिमाहियों में महसूस किया जाएगा। उन्होंने पूरे वित्त वर्ष के लिए कृषि व संबद्ध गतिविधियों का जीवीए लगभग 3.5-4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो इस क्षेत्र के दीर्घकालिक रुझान के अनुरूप है, लेकिन इसमें गिरावट का स्पष्ट रुझान दिखाई दे रहा है। गिरावट का यह रुझान इस तथ्य के कारण है कि बारिश में सुधार के बावजूद, खरीफ फसल का रकबा पिछले साल की तुलना में कम रहेगा, जिसका अर्थ है कि खोया हुआ रकबा वापस नहीं मिल पाएगा।

हालांकि, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में मौजूदा कीमतों पर जीवीए वृद्धि 7.5 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 4.7 प्रतिशत थी।

पार्थ जिंदल को मिली जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की कमान

संभालेंगे 6000 करोड़ का मेगा प्रोजेक्ट

मुंबई ।

जेएसडब्ल्यू समूह ने अपनी वाहन क्षेत्र की महत्वाकांक्षाओं को नई दिशा देते हुए घोषणा की कि सज्जन जिंदल के पुत्र पार्थ जिंदल को जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। 36 वर्षीय पार्थ, जो पहले से ही जेएसडब्ल्यू सीमेंट और पेंट्स के प्रबंध निदेशक हैं, अब समूह के इस सबसे बड़े नए उद्यम के केंद्र में आ गए हैं। समूह की वाहन रणनीति, विनिर्माण विस्तार और स्थानीयकरण में सक्रिय भूमिका निभाते रहे पार्थ जिंदल की यह पदोन्नति ऐसे समय में हुई है जब जेएसडब्ल्यू की वाहन संबंधी महत्वाकांक्षाएं एमजी से कहीं आगे बढ़ रही हैं। समूह जेएसडब्ल्यू मोटर्स के तहत स्वतंत्र यात्री वाहन कारोबार बना रहा है, जिसमें चीन की चेरी ऑटोमोबाइल की तकनीक का इस्तेमाल होगा। इसके अलावा, फोक्सवैगन ग्रुप के साथ भी भारत में संभावित साझेदारी को लेकर बातचीत चल रही है। जेएसडब्ल्यू एमजी और उसके आपूर्तिकर्ता संयुक्त रूप से लगभग 6,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। इस योजना के तहत, जनवरी 2028 तक हलोल संयंत्र की क्षमता को मौजूदा 1,10,000 वाहनों से बढ़ाकर सालाना 2,20,000 किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जेएसडब्ल्यू मोटर्स महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में नई-ऊर्जा वाले वाहनों के लिए एक नया विनिर्माण संयंत्र भी विकसित कर रही है। पार्थ जिंदल की रणनीतिक दृष्टि समूह के लिए कोई नई बात नहीं है। फरवरी 2018 में, जब समूह भूषण स्टील की दिवालिया प्रक्रिया पर विचार कर रहा था, तब पार्थ ने टाटा समूह के विस्तार के जवाब में भूषण पावर ऐंड स्टील (बीपीएसएल) को हासिल करने का तर्क दिया था। उनकी सलाह आखिरकार सही साबित हुई और जेएसडब्ल्यू ने बीपीएसएल को खरीदकर पूर्वी भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान क्रिकेट: मिसबाह-उल-हक का इस्तीफा, सात खिलाड़ियों को किया बाहर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. पहले दो मैच हारकर ही वो सीरीज हार चुके हैं. लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें 194 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उन्हें पारी और 103 रनों हार मिली थी. ये पिछले छह टेस्ट मैचों में से पाकिस्तान की पांचवीं हार है।

टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ी और कोच से खुश नहीं है. इसलिए बोर्ड ने सीरीज के बीच में ही आखिरी टेस्ट से पहले टीम में बड़े बदलाव कर दिए हैं. बोर्ड ने कोच समेत सात खिलाड़ियों को टीम से एजबेस्टन में 9 सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले ही हटा दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने पाकिस्तान पुरुष राष्ट्रीय सिलेक्शन कमिटी से इस्तीफा देने की पेशकश की है। यह कदम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम और कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव करने के फैसले के बाद उठाया गया है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने अभी तक मिसबाह का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने लाहौर में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट की भूमिका से भी हटने का फैसला किया है।

टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी

टेस्ट स्क्वाड से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में सलमान अली आगा, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, ओपनिंग बल्लेबाज इमाम-उल-हक, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद के नाम शामिल हैं।

कोच की भी छुट्टी

यह बदलाव सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रेड-बॉल हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है. उनकी जगह अब व्हाइट-बॉल के हेड कोच माइक हेसन और एशले नोफके को रखा गया है।

7 नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री

बाहर किए गए 7 खिलाड़ियों की जगह 7 नए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है. जिसमें टेस्ट स्तर पर पांच अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं. जिसमे बल्लेबाज साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर अराफात मिन्हास शामिल हैं. अनकैप्ड खिलाड़ी मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान और रजाउल्लाह भी टीम से जुड़ेंगे।

साइम अयूब 8 टेस्ट और अब्दुल्ला फजल दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं. जबकि अराफात मिन्हास ने तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेले हैं. इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान जूनियर, विकेटकीपर-बल्लेबाज और कायद-ए-आजम ट्रॉफी 2025-26 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' साद बेग, और दाएं हाथ के पेस बॉलिंग ऑलराउंडर मोहम्मद इमरान (जिन्हें इमरान रंधावा के नाम से भी जाना जाता है) और रजाउल्लाह हैं।

पाकिस्तान की अपडेटेड टेस्ट स्[ाड

बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, अजान अवैस, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मुहम्मद इमरान, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), रजाउल्लाह, साद बेग (विकेटकीपर), साइम अयूब, साजिद खान, सऊद शकील, शान मसूद और उबैद शाह।

वैभव ने बनाए 40 रन, ईस्ट जोन को 159 का मिला टारगेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए।सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं। सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब

रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी खेली। ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1-1 विकेट लिया। मोहम्मद शमी ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे शमी ने सेंट्रल जोन के खिलाफ 3 विकेट लेकर प्रोफेशनल क्रिकेट में अपने 900 विकेट पूरे किए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ छठे भारतीय गेंदबाज बने। शमी ने 36 साल की उम्र में यह मुकाम हासिल किया।

ब्राजील के खिलाफ भारत ने टीम का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए फीफा वर्ल्ड कप में भाग ले चुकी तीन टीमें- पनामा, ब्राजील और उरुग्वे- भारत का दौरा करने वाली है। ये तीनों टीमें सितंबर और अक्टूबर में भारतीय फुटबल टीम से फ्रेंडली मैच भी खेलने वाली है. जिससे भारत को खुद को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ मैच खेलेगी. इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे, जहां उनका मुकाबला 3 अक्टूबर को पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील और 6 अक्टूबर को दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे से होगा। बता दें कि ये तीनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए वर्ल्ड कप में खेली थीं, लेकिन पनामा और उरुग्वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थीं जबकि ब्राजील राउंड ऑफ 16 में नार्वे से हारकर बाहर हो गई थी। इस तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच खालिद जमील ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा भी कर दी. जिसमें चार गोलकीपर, आठ डिफेंडर, आठ मिडफील्डर और छह फॉरवर्ड शामिल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपर- एल्बिनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, प्रभसुखन सिंह गिल, सोम कुमार.
डिफेंडर-अभिषेक सिंह टेकचम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिजॉय वर्गीज, ह्मिंगथनमाविया राल्टे, जय गुप्ता, प्रमवीर, रिकी मीतेई हाओबाम.
मिडफील्डर- अनिरुद्ध थापा, आशिक कुरुनियन, फारुख चौधरी, लालेंगमाविया राल्टे, मैकार्टन निक्सन, मोहम्मद सनन, रिकी शबोंग, सहल अब्दुल समद.
फॉरवर्ड-एडमंड लालरिंडिका, इरफान यादवाड, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स, विक्रम प्रताप सिंह।
चार रिजर्व खिलाड़ी- गोलकीपर ऋतिक तिवारी, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह कोंशम और रोशन सिंह नाओरेम, मिडफील्डर सुरेश सिंह वांगजाम।

स्टार टेनिस खिलाड़ी की दरियादिली बाढ़ पीड़ितों के लिए दान किए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग छिनवेन ने एक बार फिर मुश्किल वक्त में अपने देश के लोगों का साथ देकर दिल जीत लिया है। याहू स्पोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार खिलाड़ी ने तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक मिलियन युआन यानी करीब 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.4 करोड़ रुपये) दान किए हैं। चीन चैरिटी फेडरेशन ने इस योगदान की पुष्टि की है। यह मदद ऐसे समय में आई है जब खुद झेंग चोट और सर्जरी के बाद अपने करियर को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई भारी तबाही

चीन-नेपाल सीमा के पास स्थित ग्यिरोंग काउंटी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इसी मुश्किल घड़ी में झेंग ने आपदा राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए बड़ी रकम दान की। उनका 10 लाख युआन का योगदान प्रभावित लोगों तक आपात सहायता पहुंचाने और बचाव-पुनर्निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब झेंग ने प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की मदद के लिए आगे बढ़कर योगदान दिया है।

2023 में भी की थी बड़ी मदद

झेंग ने इससे पहले 2023 में चीन के गांसू प्रांत के जिशिशान काउंटी में आए भूकंप के बाद राहत कार्यों के लिए 2 लाख युआन यानी करीब 28 हजार डॉलर का दान दिया था। इस बार उनका योगदान पहले की तुलना में पांच गुना है। चीन की सबसे चर्चित खेल हस्तियों में शामिल झेंग का यह कदम उनके सामाजिक सरोकार को भी दिखाता है। 23 साल की झेंग ने खेल की दुनिया में भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतकर चीन के सबसे बड़े खेल सितारों में अपनी जगह मजबूत की थी।

चोट ने बदली करियर की रफ्तार

हालांकि, पिछले कुछ समय में झेंग के टेनिस करियर को चोट ने बुरी तरह प्रभावित किया। वह कोहनी की चोट के कारण सर्जरी से गुजरीं और लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहीं। इसका असर उनकी रैंकिंग पर भी पड़ा। एक समय दुनिया की नंबर-4 खिलाड़ी रह चुकीं झेंग अब रैंकिंग में 121वें स्थान पर पहुंच गई हैं। चोट के कारण वह 2025 यूएस ओपन में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। इस सीजन में वापसी के बाद उन्हें शुरुआती दौर में कई हार का सामना करना पड़ा। खुद झेंग ने माना कि लगातार हार से वह मानसिक रूप से भी परेशान हुई।उन्होंने कहा, 'वापसी के बाद मैं कुछ ऐसे मैच हार गई, जिन्हें मुझे नहीं हारना चाहिए था। यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक था।' झेंग ने बताया कि उन्हें लगता था कि उन्होंने अपने प्रशंसकों को निराश किया है।

यूएस ओपन में वापसी से नई उम्मीद

चोट से वापसी के बाद झेंग के लिए 2026 यूएस ओपन बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए उन्हें क्वालीफाइंग के तीन मुकाबले खेलने पड़े और तीनों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी वापसी को यादगार बनाया। उन्होंने पहले मुकाबले में चीन की यू शियाओदी को 6-3, 6-2 से हराया। इसके बाद क्लारा बुरेल को 6-1, 7-5 से मात दी। आखिरी क्वालीफाइंग मुकाबले में एलेना प्रिदांकिना के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद उन्हें दूसरे सेट में हार मिली, लेकिन निर्णायक सेट में उन्होंने 6-0 की शानदार जीत के साथ 6-4, 3-6, 6-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मेसी के संन्यास पर पत्नी हुईं भावुक वीडियो और फोटो शेयर किया

नई दिल्ली। लियोनल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से दूसरी बार संन्यास लेने के फैसले ने दुनियाभर के प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर के इस फैसले के बाद उनकी पत्नी एंटोनेला रोकुजो ने भी सोशल मीडिया पर अपने जज्बात जाहिर किए। उन्होंने मेसी का एक प्यारा वीडियो और बच्चों के साथ तस्वीर साझा की और उनके पूरे सफर को याद करते हुए दिल छू लेने वाला नोट लिखा।

तुम्हें इस तरह सफर खत्म करते देखना गर्व की बात

एंटोनेला ने अपने पोस्ट की शुरुआत मेसी के लिए गर्व जताते हुए की। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें इस तरह अपने इस सफर का अंत करते देखना कितने गर्व की बात है।' उन्होंने कहा कि मेसी के सफर में कई साल, अनगिनत पल, खुशियां और मुश्किल दौर रहे। उन्होंने अपने पति को संघर्ष करते, गिरते और फिर उठते हुए करीब से देखा है। एंटोनेला ने लिखा, 'मैंने तुम्हें दुखी होते देखा, गिरते देखा और फिर उठते हुए भी देखा। मैंने तुम्हें तब भी आगे बढ़ते देखा, जब चीजें तुम्हारे मुताबिक नहीं हो रही थीं। और तुम्हें हर बार फिर से कोशिश करते और अपने विश्वास को बनाए रखते देखा।'यह संदेश मेसी के उस दौर की भी याद दिलाता है, जब अर्जेंटीना के साथ लगातार फाइनल हारने के बाद उन्होंने 2016 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, वह बाद में वापस लौटे और उनकी कहानी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उन्हें फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। एंटोनेला ने मेसी द्वारा साझा किया गया एक वीडियो अपनी स्टोरी पर लगाया है।

बच्चों के लिए सबसे खास रही पिता की कहानी

एंटोनेला के पोस्ट का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। उन्होंने बताया कि उनके बच्चों ने मेसी के पूरे सफर को बेहद करीब से देखा है। उन्होंने लिखा, 'हमारे बच्चों का इस कहानी को बेहद करीब से देखते हुए बड़ा होना मुझे सबसे ज्यादा भावुक करता है। उन्होंने अपने पिता को उस चीज के लिए लड़ते देखा, जिसे वह हासिल करना चाहते थे। उन्होंने तुम्हें हार न मानते और आखिरी पल तक विश्वास बनाए रखते देखा।'मेसी और एंटोनेला के बच्चे अपने पिता के करियर के सबसे बड़े पलों के भी गवाह रहे हैं। खास तौर पर 2022 विश्व कप जीत उनके परिवार के लिए बेहद खास रही। अर्जेंटीना ने कतर में फ्रांस को हराकर विश्व कप जीता था और मेसी ने पहली बार अपने करियर में यह ट्रॉफी उठाई थी। एंटोनेला ने लिखा कि उनके बच्चों को मेसी को सब कुछ हासिल करते और विश्व कप की ट्रॉफी उठाते देखने का मौका मिला।

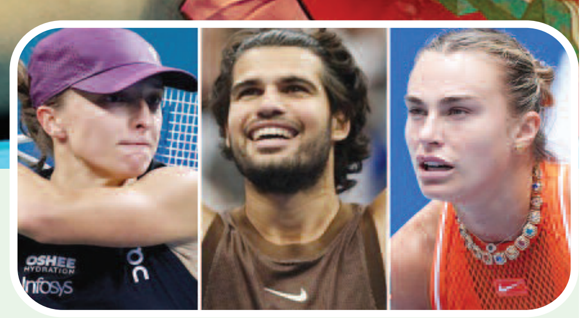

यूएस ओपन: अल्काराज जीते वावरिंका का सफर खत्म

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में जारी यूएस ओपन के दूसरे दिन कई बड़े मुकाबलों ने टेनिस प्रशंसकों का ध्यान खींचा। लंबे ब्रेक के बाद एकल कोर्ट पर लौटे कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ शुरुआत की, जबकि तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ समाप्त हो गया। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक, डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका और चोट से वापसी कर रहीं झेंग छिनवेन ने भी दूसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत

चार महीने के ब्रेक के बाद यूएस ओपन में वापसी कर रहे कार्लोस अल्काराज ने रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। मिश्रित युगल में सेरेना विलियम्स के साथ शुरुआती मैच में हारने के बाद स्पेनिश स्टार ने एकल मुकाबले में अपनी लय हासिल कर ली। अल्काराज पूरे मुकाबले में नियंत्रण में नजर आए और उन्होंने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर खत्म

पूर्व यूएस ओपन चैंपियन स्टेन वावरिंका को मैटेओ बेरेटिनी के खिलाफ 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर समाप्त हो गया। वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। उन्होंने 2016 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

शेल्टन ने हार के बाद पलटा मुकाबला

अमेरिका के नंबर-1 बेन शेल्टन ने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ धीमी शुरुआत की। वह पहला सेट 1-6 से हार गए, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-1, 7-6(3), 6-2 से जीत लिए। शेल्टन ने इस तरह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6(3), 6-2 से अपने नाम किया और हाल ही में कनाडा में अपने खिताब का सफल बचाव करने के बाद शानदार फॉर्म जारी रखी।

डेविस को मौका, स्टार्क-कमिंस की वापसी, लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया टीम से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। लाबुशेन ने पिछली 18 वनडे पारियों में 21.87 की औसत से रन बनाए हैं। ऑलराउंडर जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में चुना गया है। उन्होंने जून में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। युवा ओली पीक भी टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। कूपर कोनोली को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

सिलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका में होने वाली छह मैचों की सीरीज अगले साल के वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे

और नामीबिया में खेला जाना है।जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैचों में मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस साउथ अफ्रीका सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। हालांकि कमिंस ने संकेत दिया है कि वे साउथ अफ्रीका के सभी तीन वनडे नहीं खेलेंगे, ऐसे में मार्श फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

स्टार्क भी साउथ अफ्रीका सीरीज में वनडे टीम में वापसी करेंगे। जोश हेजलवुड दोनों सीरीज के लिए टीम में हैं। स्पेंसर जॉनसन भी एक साल से ज्यादा समय बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे, जबकि बिली स्टेनलेक को भी तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मादुरो ने जेल से जारी की तस्वीरें और संदेश दिया ...मजबूती से डटा

काराकास, एजेंसी। अमेरिका की जेल में बंद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने पहली बार अपनी तस्वीरें जारी की और संदेश दिया कि वे जेल में मजबूती से डटे हुए हैं। न्यूयॉर्क की ब्रुकलिन जेल में बंद 63 वर्षीय मादुरो ने अपने टेलीग्राम और एक्स अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ग्रे रंग के ट्रैकसूट में मुस्कुराते हुए और उंगलियों से 'जीत' का इशारा करते दिख रहे हैं। मादुरो ने अपने समर्थकों से कहा, मैं चाहता हूं कि आप जानें कि हम मजबूती से खड़े हैं। वेनेजुएला फिर से उठ खड़ा होगा। बता दें कि जनवरी 2026 में अमेरिकी सेना ने एक गुप्त ऑपरेशन चलाकर मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर लिया था। उन पर ड्रग तस्करी और आतंक फैलाने के आरोप हैं। इस मामले का ट्रायल 1 जून 2027 से शुरू होगा। मादुरो की यह तस्वीर ऐसे समय में आई है जब वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने अमेरिका के साथ एक बहुत बड़ा समझौता किया है। इसके तहत अमेरिका वेनेजुएला के लगभग 65 अरब बैरल के तेल भंडारों पर नियंत्रण या बड़ा हिस्सा हासिल करेगा।

अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर किया हमला, जवाब में जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरानी मिसाइल अटैक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से अधिक समय से जारी संघर्ष में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने रविवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में लारक द्वीप पर ईरान के रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया। यह करीब एक महीने में अमेरिका की ईरान के खिलाफ पहली सैन्य कार्रवाई है। हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की है। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के जवाब में उसने जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, निशाने पर किंग हुसैन और अल-अज्राक स्थित अमेरिकी ठिकाने थे। इससे पहले रविवार को अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर दो सैन्य लॉन्चरों को निशाना बनाया था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, आईआरजीसी के जवान इन लॉन्चरों के जरिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगें पहुंचाने वाले रॉकेट लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। अमेरिका ने इसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिए तत्काल खतरा बताया। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उनकी सेनाएं इलाके पर करीबी नजर बनाए हुए हैं और समुद्री व्यापार के मुक्त प्रवाह की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में नई माइंस बिछाने वाले किसी भी जहाज या नाव के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने पहले ही चेतावनी दी थी कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा। अब ईरानी मीडिया ने आईआरजीसी के हवाले से बताया है कि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया गया। ईरानी सरकारी प्रसारणकर्ता इ्रब्रक के अनुसार, लारक पर अमेरिकी हमले में कई ईरानी सैन्यकर्मी और नागरिक मारे गए और घायल हुए। वहीं, आईआरजीसी से जुड़े तस्नीम न्यूज एजेंसी ने दावा किया कि हमले में ड्रोन का इस्तेमाल हुआ और दो लोगों की मौत हुई, जबकि दो अन्य घायल हुए। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि तत्काल नहीं हो सकी है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस मार्ग से दुनिया के तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस के करीब पांचवें हिस्से का परिवहन होता है। अमेरिका का कहना है कि वह सैन्य सुरक्षा के जरिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है। दूसरी ओर, ईरान ने जलमार्ग को लेकर अपनी स्थिति बनाए रखी है और अमेरिकी दबाव के सामने लंबे संघर्ष के लिए तैयार रहने का संकेत दिया है। लारक ईरान का एक छोटा द्वीप है, जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में स्थित है।

टोरंटो में मोहन भागवत ने कहा- भारत 'महाशक्ति' नहीं, बल्कि 'विश्वगुरु' है

टोरंटो, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत 'महाशक्ति' (सुपरपावर) बनकर नहीं, बल्कि मानवता की निस्वार्थ सेवा के जरिए 'विश्वगुरु' बना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के सभ्यतागत डीएनए में सार्वभौमिक मित्रता, शरण देने की भावना और विविधता के प्रति सम्मान निहित है।

टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु - मित्रता में विश्व को गले लगाओ' सभा को संबोधित करते हुए, भागवत ने दुनिया भर में उत्पीड़न और युद्ध से भागने वालों के लिए एक अभयारण्य के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'कोई भारत को महाशक्ति कह सकता है, लेकिन यह ऐसा नहीं है। इसने दुनिया की सेवा की और अपने चरित्र से यह 'विश्वगुरु' बन गया, महाशक्ति नहीं।'

मोहन भागवत ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय संकट के दौरान भारत के आगे बढ़ने के ऐतिहासिक और आधुनिक उदाहरणों को याद किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश शरणार्थियों की दुर्दशा को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे जामनगर के महाराजा ने उन्हें सुरक्षित घर लौटने तक शरण और सुरक्षा की पेशकश की थी। संकट के समय मदद करने की भारत की परंपरा का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा, 'ऐसे कई उदाहरण हैं और यह सिलसिला अभी भी जारी है।' उन्होंने मध्य पूर्व में हाल के संघर्षों के दौरान लोगों को सुरक्षित निकालने के अभियानों का ज़िक्र करते हुए बताया कि कैसे भारत के सैन्य परिवहन विमानों ने न सिर्फ भारतीय नागरिकों को, बल्कि युद्धग्रस्त इलाके में फँसे सात अन्य देशों के नागरिकों को भी बचाया। उन्होंने कहा, 'जब कुछ साल पहले मध्य पूर्व में युद्ध के दौरान लोग फँस गए थे, तो भारत के सैन्य विमान वहाँ गए और न सिर्फ भारतीय नागरिकों को, बल्कि सात अन्य देशों के नागरिकों को भी वहाँ से सुरक्षित निकाला।' उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ऐतिहासिक रूप से भारत में मुसलमानों, ईसाइयों, यहूदियों और पारसियों को बिना किसी उत्पीड़न के डर के शांतिपूर्ण आश्रय और ज्ञान मिला है। भागवत ने कहा, 'दुनिया में कहीं भी अगर किसी पर ज़ुल्म हुआ, तो उसे भारत में ही शरण मिली।' आरएसएस प्रमुख ने भारत की ऐतिहासिक वैश्विक पहुंच और साम्राज्यवादी विस्तारवाद के बीच अंतर बताते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता ने अपना दबदबा बनाने के बजाय ज्ञान का प्रसार किया।

'हमारे पूर्वजों ने मैक्सिको से साइबेरिया तक यात्रा की, उन्होंने पैदल ही हिमालय पार किया, छोटी नावों से दक्षिण-पूर्व एशिया गए, लेकिन उन्होंने किसी देश पर कब्जा नहीं किया। उन्होंने ज्ञान, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और सभ्यता से जुड़े मूल्य सिखाए। आज भी, जब कोई आम भारतीय किसी देश में जाता है, तो वहां के लोग नमस्कार करते हैं। दूसरों की मदद करने की भारत की सभ्यतागत परंपरा पर जोर देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब भी मुसीबत में फंसे लोगों ने मदद मांगी, तो देश ने कभी मना नहीं किया और अक्सर बिना मांगे ही मदद का हाथ बढ़ाया। यही परंपरा है। यही भारत का डीएनए है। हिंदू दर्शन के मूल भाव को समझाते हुए, भागवत ने स्पष्ट किया कि यह पहचान भाषाई या धार्मिक सीमाओं से कहीं ऊपर है। जब मैं हिंदू कहता हूं, तो हिंदू शब्द को किसी खास भाषा, किसी खास पूजा-पद्धति या किसी खास जीवनशैली से परिभाषित नहीं किया जा सकता,' उन्होंने कहा और जोड़ा कि हिंदू 'सभी का सम्मान करते हैं' और 'सभी को स्वीकार करते हैं'.

भागवत ने मानवता की मूल एकता को पहचानते हुए विविधता को अपनाने का भी आह्वान किया। हमें इस विविधता की सेवा करनी चाहिए, इसे स्वीकार करना चाहिए और इसका सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह एकता की अभिव्यक्ति है। यह उसे सुंदर बनाती है। यह उसकी शोभा है। हम इसका उत्सव मनाते हैं,' उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन सोच विविधता को स्वाभाविक मानती है, जबकि एकता को मूल सच्चाई मानती है। यहां कई जातियां, कई पंथ और कई भाषाएं रही हैं। सब कुछ अनेक है। प्रकृति, सच्चाई की अभिव्यक्ति, विविध है। विविधता स्वाभाविक है। एकता ही सच्चाई है।

आपको सच्चाई को ध्यान में रखते हुए स्वाभाविक चीजों से निपटना होगा। यही भारत की प्राचीन सोच है,' उन्होंने आगे कहा। 'वसुधैव कुटुंबकम' की विचारधारा पर जोर देते हुए भागवत ने कहा कि जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे इस विचार को मानते हैं कि पूरी दुनिया एक परिवार है। 'जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को अपनाते हैं। यानी यह विश्वास कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है,' उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि भले ही लोगों की शारीरिक बनावट अलग-अलग हो, 'मूल रूप से हम सब एक हैं।

अमेरिकाः ग्रैंड कैन्यन में अचानक आई बाढ़, 15 लोग लापता; 62 को सुरक्षित निकाला

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क में अचानक आई बाढ़ के बाद करीब 15 लोगों के लापता होने की खबर है। अचानक आई बाढ़ ने ब्राइट एंजेल कैन्यन और फैंटम रैंच इलाके को प्रभावित किया। नेशनल पार्क सर्विस के अनुसार, बाढ़ अपने साथ बड़े पत्थर, धातु के ढांचे और अन्य मलबा बहाकर कोलोराडो नदी में ले गई। नेशनल पार्क सर्विस ने बताया कि वह प्रभावित इलाके से लोगों को निकालने और वहां मौजूद लोगों का पता लगाने के लिए एरिजोना के अधिकारियों के साथ काम कर रही है। एजेंसी ने लापता लोगों या इलाके में मौजूद पैदल यात्रियों के बारे में किसी भी जानकारी की अपील की है।

बाढ़ ने बहाए कई पुल, इलाके का बदला नजारा : शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे ब्राइट एंजेल क्रीक में अचानक बाढ़ शुरू हुई। यह नाला आगे जाकर कोलोराडो नदी में मिलता है। तेज बहाव ने नाले पर बने पैदल पुलों को बहा दिया और इलाके का स्वरूप काफी बदल गया। इलाके के वीडियो में नाले का तल पहले की तुलना में चौड़ा दिखाई दे रहा है। इसके अलावा वहां नदी के तेज बहाव वाला एक नया हिस्सा भी बनता नजर आ रहा है। यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर कोलोराडो रिवर स्टडीज के निदेशक जैक श्मिट ने कहा, 'यह याद दिलाता है कि ग्रैंड कैन्यन कितना गतिशील और सक्रिय भू-दृश्य है।' बाढ़ से बची एरिका वियोला ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि शनिवार दोपहर बारिश शुरू होने के समय वह ब्राइट एंजेल कैंपग्राउंड में थीं। उनके साथ करीब 50 अन्य पैदल यात्रियों ने नाले का जलस्तर बढ़ते देखा। इसके बाद मलबा बहना शुरू हो गया, जिसमें एक इमारत का हिस्सा भी नजर आया। उन्होंने बताया कि समूह को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इस वजह से उनका अभियान तय समय से दो दिन पहले ही खत्म हो गया। फ्लैगस्टाफ में राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी जस्टिन जॉन्ड्रो के अनुसार, चट्टानी इलाके में करीब 30 मिनट के भीतर आधा इंच से एक इंच तक बारिश हुई। इस इलाके में जमीन काफी ऊंचाई से नीचे की ओर जाती है। जॉन्ड्रो ने कहा, 'इसका ज्यादातर पानी तुरंत बह गया।' उन्होंने बताया कि बाढ़ ग्रैंड कैन्यन के उत्तरी हिस्से में आई, जहां ब्राइट एंजेल क्रीक नॉर्थ रिम से नीचे उतरकर कोलोराडो नदी में मिलती है।

गर्म होता हिमालय बढ़ा रहा आपदाओं का खतरा

त्सांगबू री , एजेंसी। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में त्सांगबू री के पास ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने और उसके मलबे से भोटे कोसी-त्रिशूली नदी तंत्र में अचानक बाढ़ आने की घटना ने हिमालय में बढ़ते जलवायु और भूगर्भीय जोखिम की गंभीरता फिर सामने ला दी। वैज्ञानिकों के अनुसार हिमालय अब केवल बर्फ पिघलने की समस्या से नहीं, बल्कि पूरे पर्वतीय तंत्र में हो रहे बदलावों से जूझ रहा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अध्ययन बताते हैं कि हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर लगातार सिकुड़ रहे हैं। इससे आने वाले दशकों में पानी की उपलब्धता के साथ-साथ ग्लेशियल झीलों के विस्तार और अचानक बाढ़ का जोखिम भी बढ़ रहा है। ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ उनकी जगह बड़ी और अस्थिर झीलें बन सकती हैं। इन झीलों के किनारे अक्सर बर्फ, चट्टान और ढीले मलबे से बने होते हैं। भूकंप, अत्यधिक बारिश, हिमस्खलन या चट्टान गिरने से इनके टूटने पर कुछ ही मिनटों में भारी मात्रा में पानी और मलबा नीचे की घाटियों में पहुंच सकता है। तापमान बढ़ने से यह पर्माफ्रॉस्ट पिघल रहा है। इसके कमजोर होने से चट्टानी ढलानों की स्थिरता घट सकती है।

आइसलैंड के लोगों का ईयू में शामिल होने से इनकार : रेक्याविक, एजेंसी। आइसलैंड के मतदाताओं ने यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने के सरकार के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। सरकारी प्रसारक आरयूवी ने बताया कि अभी कुछ मतों की गिनती बाकी है, लेकिन इनके नतीजे से परिणाम बदलने की उम्मीद नहीं है। सरकार ने सदस्यता को व्यापार युद्धों और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा के लिए जरूरी बताया था लेकिन इसे अब या कभी नहीं का मौका करार दिया था।

मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों से की एकजुट होने की अपील, अमेरिका-इजरायल को बताया क्षेत्र का बड़ा दुश्मन

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के छह महीने पूरे होने के बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों और इस्लामी राष्ट्रों के नाम बड़ा संदेश जारी किया है। उन्होंने क्षेत्र के देशों से आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होने की अपील की और अमेरिका तथा इजरायल को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। खामेनेई का यह संदेश ऐसे समय सामने आया है, जब लंबे समय से जारी संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया में राजनीतिक और सैन्य तनाव बढ़ा दिया है। पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिवस के अवसर पर जारी लिखित बयान में मोजतबा खामेनेई ने मुस्लिम देशों के बीच सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के देशों को अपने साझा हितों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

मुस्लिम देशों में फूट से दुश्मनों को फायदा : मोजतबा खामेनेई ने अपने संदेश में कहा कि मुस्लिम समुदाय और इस्लामी देशों के बीच किसी भी तरह का विभाजन बाहरी शक्तियों को फायदा पहुंचाता है। उनके अनुसार, राजनीतिक और धार्मिक मतभेदों को बढ़ाने वाले कदम क्षेत्र की एकता को कमजोर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति या नेतृत्व अगर ऐसा कार्य करता है जिससे समाज और देशों के बीच फूट पैदा हो, तो इसका लाभ उन ताकतों को मिलता है जो क्षेत्र को अस्थिर रखना चाहती हैं। खामेनेई ने खाड़ी देशों के नेताओं से आपसी सहयोग बढ़ाने और साझा सुरक्षा हितों पर मिलकर विचार करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी शक्तियों के प्रभाव से अलग होकर क्षेत्रीय देशों को अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के आधार पर भविष्य की रणनीति तैयार करनी चाहिए।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों के बाद बढ़ा तनाव : युद्ध के दौरान ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कई बार गंभीर स्तर तक पहुंच चुका है। संघर्ष के शुरुआती दौर में अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद ईरान की सर्वोच्च राजनीतिक और धार्मिक नेतृत्व व्यवस्था में बड़े बदलाव हुए और मोजतबा खामेनेई ने देश की सर्वोच्च जिम्मेदारी संभाली। पद संभालने के बाद उन्होंने सार्वजनिक भाषणों या वीडियो संदेशों के बजाय मुख्य रूप से लिखित बयानों के जरिए अपने विचार रखे हैं। पिछले छह महीनों के दौरान क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ी और ईरान की ओर से कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के दावे भी सामने आए। इन घटनाओं के बाद सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, कुवैत, कतर और बहरीन समेत कई देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीति को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। अपने संदेश में मोजतबा खामेनेई ने केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर ही नहीं, बल्कि ईरान की घरेलू स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नागरिकों और समाज के विभिन्न वर्गों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील की।

उत्तरी साइप्रस के पास लगभग 270 लोगों को ले जा रही एक फेरी पलटी, 8 लोगों की मौत

बोडरम (तुर्की), एजेंसी। उत्तरी साइप्रस के तट पर रविवार (30 अगस्त) को एक दर्दनाक घटना घटी। लगभग 270 यात्रियों और क्रू सदस्यों को ले जा रही एक फेरी के पलट जाने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। हालांकि इस दौरान खबर सामने आई कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 22 अन्य लोगों की तलाश जारी है।

कहां जा रही थी फेरी : कैटामरन शैली की यह फेरी उत्तरी साइप्रस के क्यरेनिया (गिर्ने) बंदरगाह से मर्सिन प्रांत के तुर्की बंदरगाह तसुचु जा रही थी। मिली जानकारी के मुताबिक, ये फेरी साइप्रस तट से लगभग 7.5 किलोमीटर दूर ही हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे के बाद लोग फेरी के आसपास पानी में लाइफ जैकेट पहने दिखे। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाया गया। इस मामले में उत्तरी साइप्रस के प्रधानमंत्री उनाल उस्टेल का बयान भी सामने आया। उन्होंने तुर्की राज्य प्रसारक टीआरटी न्यूज चैनल को बताया कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है। 24 लोगों की तलाश जारी है। काइरेनिया के मेयर मूरत सेनकुल ने कहा कि यह जहाज़ फिलो डेनिज़सिलिक फेरी कंपनी का था और साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास डूब गया। टीआरटी ने बताया कि फेरी में तट से लगभग 7.5 किलोमीटर (4 नॉटिकल मील) दूर पानी भरने लगा। मौके के वीडियो फुटेज में लोग पलटी हुई नाव के आसपास पानी में लाइफ-वेस्ट पहने तैरते हुए दिख रहे हैं। वहीं नॉर्थ साइप्रस के ट्रांसपोर्टेशन मंत्री एरहान अरिकली ने कहा कि अभी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मंत्री ने आगे बताया, हमें नहीं पता कि जहाज में पानी किस वजह से भरा है। हालांकि, कई कंपनियां कायरिनिया और तासुकु के बीच व्यस्त मार्ग पर फेरी चलाती हैं। बता दें कि भूमध्य सागर में नाव के हादसे का शिकार होना आम बात है। पिछले साल मार्च में साइप्रस के केप ग्रेको के पास एक नाव पलटी थी, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी। उस्टेल ने ये भी बताया कि फेरी इस हादसे का शिकार क्यों हुई। उन्होंने बताया कि फेरी को प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ा। रवाना होने के महज 15 मिनट बाद ही उसमें पानी भरने लगा था। इसके थोड़े समय बाद ही मदद के लिए कॉल किया गया था। क्यरेनिया के मेयर मुरात सेंकुल इस मामले पर बताया कि साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास फेरी डूबी थी। वियतनाम में भी स्पीडबोट पलटने से भी हुई थी 15 लोगों की मौत जुलाई की शुरुआत में वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास हॉन म रट ग्नोई के पास 32 भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक स्पीडबोट पलट गई थी, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया था।

नेपाल त्रासदी: प्रधानाचार्य ने 1643 बच्चों की जिंदगी बचाई, सलाम कर रहे लोग; तीन मंजिला स्कूल पूरा बह गया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। नेपाली सेना ने कई जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों से 361 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला है। पर, रसुवा व नुवाकोट में अब भी 898 कामगार फंसे हुए हैं। नुवाकोट की त्रिशूली-3ए परियोजना में जवान सुरंग में छेद बनाकर अंदर पहुंचे, पर वहां कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बचावकर्मियों ने छह इंच का छेदकर पाइप से ऑक्सीजन व भोजन भेजा है।

सैन्य अफसरों के मुताबिक, त्रिशूली-3ए में 35 कर्मचारियों के फंसे होने का अनुमान है। चार किमी लंबी सुरंग में रोशनी, हवा के लिए चार छेद किए गए हैं। इसके जरिये सुरंग में जाने पर सात मीटर ऊपर वाले हिस्से में काफी ऊंचाई तक पानी भरा मिला। ड्रिलिंग व ब्लास्ट के जरिये सुरंग का छेद बड़ा कर कामगारों तक पहुंचने की तैयारी है। भारत-चीन के विशेषज्ञ भी लोगों को बचाने के अभियान में मदद दे रहे हैं। तबाही के बीच नुवाकोट के त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र दवाड़ी ने सूझबूझ से 1643 बच्चों की जिंदगी बचा ली। दोस्त से बाढ़ की चेतावनी मिलते ही उन्होंने घंटी बजाकर स्कूल आ चुके 900 बच्चों व शिक्षकों को ऊंचे स्थानों पर भेज दिया। 700 से अधिक बच्चे पैदल और बसों से स्कूल की ओर आ रहे थे। उन्होंने बसों से संपर्क कर वहीं से लौटने को कहा। एक बस स्कूल के पास पुल तक पहुंच चुकी थी। 47 साल के दवाड़ी ने उसे वापस भेजा। जैसे ही बस पुल के दूसरी ओर पहुंची, पुल बह गया। कुछ ही देर में त्रिशूली नदी के सैलाब में तीन मंजिला स्कूल भवन पूरी तरह बह गया।

अब तक 788 मौतों की पुष्टि, 2500 से अधिक लापता : नेपाल में 26 अगस्त को आई आपदा में अब तक 788 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। 2,502 लोग लापता हैं। इनमें 512 विदेशी नागरिक हैं। अब तक 9435 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अपनों को खोजने के लिए लोग तस्वीरें लेकर अस्पतालों के सामने खड़े हैं। शवों की पहचान के लिए आए परिजन अपना दर्द छिपा नहीं पा रहे।

दिल्ली में रहने वाले नेपाली भी मदद के लिए तत्पर, जुटाए 90 लाख : अपने परिवार और परिचितों की सलामती जानने के लिए लोग लगातार संपर्क कर रहे हैं। कई लोग अपनों को खो चुके हैं, जबकि कइयों के परिजन अब भी लापता हैं। ऐसे मुश्किल समय में दिल्ली में रहने वाले नेपाली मूल के लोगों ने अपनी कमाई से नेपाल की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। दिल्ली में नेपाली मूल के करीब दो से तीन लाख लोग रहते हैं। इनमें बड़ी संख्या में नौकरी और दूसरे काम करने वाले लोगों की है। दिल्ली में नेपाली समुदाय से जुड़ी करीब 23 संस्थाएं सक्रिय हैं। इन संस्थाओं ने मिलकर अब तक करीब 90 लाख रुपये जुटाए हैं। यह राशि नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजी गई है। मित्र मंच मानव कल्याण समिति के महासचिव काशीराम आचार्य ने बताया कि 90 लाख रुपये का योगदान आपदा के सामने भले ही छोटा हो, लेकिन समुदाय अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है। दिल्ली-नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष युवराज बराल ने बताया कि दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों ने नेपाल की मदद के लिए आगे आने की अपील की जा रही है।

जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक : अमेरिका पहुंचीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एशविले, एजेंसी। जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में हिस्सा लेने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार (अमेरिकी स्थानीय समय) को अमेरिका के साउथ कैरोलिना पहुंचीं। इस बैठक में ग्लोबल ग्रोथ, आर्थिक असंतुलन, सरकारी कर्ज और ईरान संघर्ष के नतीजों पर चर्चा होगी। ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सीतारमण का स्वागत किया। सीतारमण सोमवार से नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में शुरू होने वाली दो दिवसीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। भारत के वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण का आज साउथ कैरोलिना के ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने स्वागत किया।'

मंत्रालय ने बताया कि वित्त मंत्री अगले दो दिनों तक नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में आयोजित जी20 और उससे जुड़ी बैठकों में भाग लेंगी। रविवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वार्श भी एशविल पहुंचे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों जॉइंट बेस एंड्रयूज से एक साथ वहां पहुंचे। बेसेंट जी20 के 19 सदस्य देशों, यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ के वित्त मंत्रियों तथा केंद्रीय बैंक गवर्नरों की मेजबानी करेंगे। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और आमंत्रित संगठनों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल होंगे। अमेरिका ने अपनी जी20 वित्तीय अध्यक्षता के दौरान आर्थिक विकास को सबसे बड़ी प्राथमिकता बनाया है। एशविल पहुंचने के बाद स्कॉट बेसेंट ने 'एक्स' पर लिखा, 'जैसे राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नई गति देने और उसे अपनी सरकार की प्राथमिकता बनाने पर काम कर रहे हैं, वैसे ही हम भी इस वर्ष जी20 वित्तीय ट्रैक के मेजबान के रूप में आर्थिक विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम दुनिया भर के नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र के नेताओं के साथ मिलकर यह संदेश देना चाहते हैं कि मजबूत आर्थिक विकास न केवल संभव है, बल्कि जरूरी भी है।'

बैठक में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, लंबे समय से बने ग्लोबल आर्थिक असंतुलन को दूर करने, सरकारी ऋण संबंधी चुनौतियों से निपटने और अधिक मजबूत सप्लाई चेन विकसित करने पर चर्चा होने की उम्मीद है। ईरान से जुड़े संघर्ष के आर्थिक प्रभाव, खासकर ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले व्यापार में व्यवधान, भी चर्चा के प्रमुख विषय रहेंगे। बताया जा रहा है कि अमेरिका इस बैठक और द्विपक्षीय वार्ताओं के जरिए ईरान के आर्थिक संबंधों को सीमित करने के अपने अभियान के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर सकता है। हालांकि, प्रतिबंधों, व्यापार शुल्कों (टैरिफ) और चीन की औद्योगिक नीतियों जैसे मुद्दों पर मतभेदों के कारण किसी व्यापक सहमति वाले दस्तावेज पर पहुंचना आसान नहीं माना जा रहा है। जी20 बैठक में शामिल होने से पहले सीतारमण ने शिकागो में निवेश, नवाचार और भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर केंद्रित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। एक कारोबारी गोलमेज बैठक में उन्होंने वैश्विक कंपनियों को भारत में विनिर्माण इकाइयां, प्रौद्योगिकी केंद्र और नवाचार केंद्र स्थापित करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि कंपनियां भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों की सेवा देने के आधार के रूप में उपयोग कर सकती हैं। सीतारमण ने कहा, 'नीतिगत माहौल लगातार ऐसा बनाया जा रहा है जिससे व्यवसायों को निवेश, विनिर्माण, नवाचार और विस्तार करने में सुविधा मिले।' जब वैश्विक कंपनियां अपनी सप्लाई चेन और पूंजी निवेश की रणनीति पर दोबारा विचार कर रही हैं, तब भारत केवल एक बड़ा बाजार ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश और संचालन के लिए एक मजबूत मंच भी प्रदान करता है।' वित्त मंत्री ने कृषि, रक्षा प्रौद्योगिकी और आतिथ्य क्षेत्र की कई प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इन बैठकों में एडीएम के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्त अधिकारी मोनीश पटोलावाला, शील्ड एआई के सह-संस्थापक और अध्यक्ष ब्रैंडन त्सेंग, तथा हयात के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क एस होप्लामाजियन शामिल थे। सीतारमण ने शिकागो में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सरकार के राजकोषीय सुधार कार्यक्रम, भारत के आर्थिक लक्ष्यों तथा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समझौतों के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा की। एशविल में अपनी बैठकों के बाद सीतारमण निवेशकों और कंपनियों से मुलाकात के लिए न्यूयॉर्क जाएंगी। यह उनकी छह दिवसीय अमेरिका यात्रा का हिस्सा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय अदालत का फैसला भारत ने मानने से किया इनकार

विदेश मंत्रालय ने कहा- इस फैसले का भारत की परियोजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय स्थायी मध्यस्थता अदालत के अंतरिम फैसले को भारत ने मानने से इनकार कर दिया है। भारत ने इस अदालत को अवैध बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत के संप्रभु निर्णयों पर फैसला सुनाने का इस अदालत को कोई अधिकार नहीं है। उसने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि को रोकने का हमारा फैसला लागू रहेगा। अपने अंतरिम आदेश में सोमवार को नीदरलैंड के हेग स्थित इस अंतरराष्ट्रीय अदालत ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ जल-साझाकरण संधि का पालन करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत कश्मीर क्षेत्र में निर्माणाधीन एक जलविद्युत संयंत्र पर भी काम को सीमित करे। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि इस अदालत के फैसले का अब या भविष्य में भारत द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसने कहा कि भारत ने कभी भी इस अंतरराष्ट्रीय अदालत को मान्यता नहीं दी है और लगातार कहा है कि इस कथित मध्यस्थता निकाय की स्थापना सिंधु जल सं?धि का सीधा-सीधा उल्लंघन है और वह इसके फैसले को उसी तरह खारिज करता है जैसे पहले की सभी घोषणाओं को करता आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने पहलगाम हमले में अपनी किसी भूमिका से इनकार किया था और भारत द्वारा पिछले साल कश्मीर क्षेत्र में दो जलविद्युत परियोजनाओं की जलाशय क्षमता बढ़ाने के काम शुरू करने के बाद कानूनी कार्रवाई का रास्ता पकड़ा था। दोनों देशों के बीच 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी, उसके बाद से दोनों में तीन युद्ध और छोटे-बड़े कई संघर्ष होने के बावजूद इस संधि पर कोई असर नहीं पड़ा था। वे इस पर अमल करते आ रहे थे। स्थायी मध्यस्थता

कोर्ट ने कहा कि सिंधु जल संधि पूरी तरह लागू है और भारत के पास समझौते को समाप्त करने या निलंबित करने का कोई औचित्य नहीं है।

अंतर-सरकारी अदालत ने कहा कि भारत को संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए, जिसमें पश्चिमी नदियों पर उसकी जलविद्युत परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन से संबंधित दायित्व भी शामिल हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ अगले साल जुलाई तक यह तय करेगा कि हिमालयी क्षेत्र में जलविद्युत संयंत्रों का निर्माण संधि के अनुरूप हो रहा है या नहीं।

अन्ना हजारे को वायरल संक्रमण, अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे को वायरल संक्रमण और गंभीर निर्जलीकरण के इलाज के लिए मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हजारे के एक सहयोगी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। सहयोगी के मुताबिक 89 साल के हजारे को सोमवार को दक्षिण मुंबई स्थित बॉम्बे अस्पताल लाया गया। इससे पहले उन्हें शुरुआती इलाज के लिए अहिल्यानगर जिले के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि बॉम्बे अस्पताल के डॉक्टर हजारे की स्वास्थ्य स्थिति का विस्तृत आकलन कर रहे हैं, जिसके आधार पर आगे के इलाज के बारे में फैसला लिया जाएगा।

2014 की रैली का चैनल के पास मूल वीडियो फुटेज उपलब्ध नहीं

-आरएसएस कार्यकर्ता ने राहुल गांधी पर मानहानि का मामला किया था दायर

मुंबई (एजेंसी)। जी मीडिया ने महाराष्ट्र में भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत को बताया कि चैनल के पास 2014 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रैली का मूल वीडियो फुटेज उपलब्ध नहीं है। आरएसएस के कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है। कुंटे का आरोप है कि राहुल गांधी ने 6 मार्च 2014 को जिले के सोनाले गांव में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी की हत्या को आरएसएस से जोड़कर अपमानजनक बयान दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक रैली के वीडियो साक्ष्य पेश करने के लिए अदालत के समन के जवाब में जी मीडिया ने एक औपचारिक हलफनामा दाखिल कर कहा कि चैनल उक्त फुटेज पेश करने में असमर्थ है। मीडिया नेटवर्क ने कहा कि इस कार्यक्रम का प्रसारण 12 साल से ज्यादा समय पहले हुआ था और मानक ''अनुपालन लॉगिंग'' दिशानिर्देशों के तहत टीवी चैनलों के लिए प्रसारण रिकॉर्ड केवल 90 दिनों तक सुरक्षित रखना कानूनी रूप से अनिवार्य है। मीडिया समूह ने कहा कि कार्यक्रम को कवर करने वाले पत्रकार भी अब या तो नौकरी छोड़ चुके हैं या सेवानिवृत्त हो चुके हैं। राहुल गांधी के वकील ने बताया कि कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन अक्टूबर की तारीख तय की है।

एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसे में 6 की मौत, 15 से ज्यादा घायल

-खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालु की पिकअप खड़े ट्रक से टकराई

पलवल (एजेंसी)। हरियाणा के कुंडली-मानसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें 6 की मौत हो गई और कम से कम 15 लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर से दर्शन कर उत्तर प्रदेश लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। इस दर्दनाक हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे में पिकअप और ट्रक दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एनएचएआई की राहत टीम मौके पर पहुंची और गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक एक्सप्रेसवे के किनारे खड़े ट्रक का अंदाजा न लग पाने या अचानक असंतुलन बिगड़ने के कारण पिकअप सीधे उसमें जा घुसी। दुर्घटना में घायल हुए 15 लोगों को तुरंत नजदीकी नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। मामले की जांच शुरु कर दी है।

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद एनकाउंटर में मालिक घायल

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी की जिस अवैध पटाखा फैक्ट्री में सोमवार को विस्फोट हुआ था, उसके मालिक को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसे पैर में गोली लगी है। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। मंगलवार तड़के 4 बजे सैयद सरावां इलाके में मुठभेड़ हुई थी। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले 8 बच्चों समेत 11 लोगों का पोस्टमॉर्टम होगा। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक नौशाद, उसकी पत्नी, बेटे समेत परिवार के 6 लोगों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने पत्नी शबाना को हिरासत में भी लिया है।

महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शुरुआत घर और शिक्षा से होती है : राज्यपाल पटेल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शुरुआत घर और शिक्षा से होती है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां शिक्षा, स्टार्टअप, व्यवसाय और कई क्षेत्रों में सफलता हासिल कर रही हैं लेकिन उन्हें आगे बढ़ने के लिए सही सोच, अवसर और परिवार का सहयोग मिलना जरूरी है। एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल आनंदीबेन पटेल ने विश्वास जताया कि आने वाले सालों में महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, उद्यमिता और नेतृत्व के हर क्षेत्र में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएंगी।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम में महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि नारी केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की भी शक्ति है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उन्हें अवसर के साथ-साथ नेतृत्व और फैसले लेने का अधिकार भी मिलना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि संघ के कार्यों में मातृशक्ति का योगदान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। महाना ने कहा कि संघ में महिलाओं का सम्मान सर्वोच्च है और उनका सहयोग परिवार, सेवा तथा समाज को साथ लेकर चलने की शक्ति प्रदान करता है। आनंदीबेन पटेल ने पुस्तक की लेखिका डॉ. शोभा विजेंद्र को पुस्तक के जरिए महिला सशक्तिकरण के विचारों को समाज तक पहुंचाने और देश के कई हिस्सों में संवाद की श्रृंखला को आगे बढ़ाने के लिए बधाई दी।

सीएम विजय ने इंडिया गठबंधन में पीएम चेहरे के रूप में राहुल गांधी का किया समर्थन

-तमिलनाडु में टीवीके और कांग्रेस के बीच मतभेद की अटकलों पर लगा विराम

हल्द्वानी, एजेंसी।
चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु में सत्ताधारी पार्टी टीवीके और कांग्रेस के बीच गठबंधन में मतभेद की अटकलों पर विराम लग गया है। कांग्रेस विधायक दल की नेता ताराहाई कथबर्ट ने स्पष्ट किया है कि टीवीके के प्रमुख और सीएम विजय ने इंडिया गठबंधन के पीएम पद के उम्मीदवार के रूप में राहुल गांधी का समर्थन किया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कथबर्ट ने कहा कि विजय और राहुल गांधी के बीच संबंध बहुत मजबूत हैं। हाल ही में एक सर्वे में विजय को पीएम पद की पसंद में तीसरा स्थान मिलने के बाद टीवीके समर्थकों के उत्साह में कुछ बातें सामने आई थीं, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वे बातें कार्यकर्ताओं का उत्साह थीं, पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं। टीवीके आधिकारिक रूप से राहुल गांधी को ही 2029 के पीएम उम्मीदवार के रूप में देखती है।
इसके बाद टीवीके ने शीर्ष पद के लिए विजय का नाम आगे बढ़ाया, जिससे कांग्रेस ने गठबंधन छोड़ने की धमकी दी, जब तक कि वह इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री चेहरे के तौर पर राहुल गांधी का समर्थन न करें। उन्होंने कहा कि कुछ हलकों में विजय के प्रधानमंत्री बनने की जो बातें हो रही थीं, वे टीवीके कार्यकर्ताओं के उत्साह के कारण थीं और वे नेतृत्व के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाती थीं। उन्होंने कहा कि सीएम विजय ने राहुल गांधी को पीएम उम्मीदवार के तौर पर चुना है। वे इसी तरह आगे बढ़ रहे हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने राहुल गांधी को चेन्नई में अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया था, जहां उन्होंने सार्वजनिक रूप से उन्हें अपना भाई कहा था। राहुल गांधी ने भी टीवीके सरकार के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। इस बीच कथबर्ट ने कहा कि कांग्रेस तमिलनाडु में स्वतंत्र रूप से विस्तार कर रही है और टीवीके के अधीन काम नहीं करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक और स्वायत्त पार्टी है। उन्होंने उत्तराखंड के हल्द्वानी में शुद्धिकरण विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ हाल ही में दर्ज एफआईआर को बीजेपी की राजनीतिक घबराहट बताया था। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी राहुल गांधी की व्यापक जन-स्वीकार्यता से डरी हुई है और वे 2029 में प्रधानमंत्री बनेंगे।

मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना कराने पर लगाया ब्रेक

-जनगणना से पहले एनआरसी को अपडेट करने की मांग पर लिया फैसला

इम्फाल, एजेंसी।
जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना अभियान को स्थगित करने का फैसला लिया है! यह फैसला मणिपुर के नागरिक संगठनों की उस मांग के बाद लिया गया, जिसमें जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने की मांग की गई थी। जनगणना के तहत राज्य में घरों की सूची बनाने का काम 1 सितंबर से शुरू होना था।
मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक में मणिपुर की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान राज्य के लोगों की ओर से जनगणना को टालने और पहले एनआरसी लागू करने की मांग पर भी चर्चा हुई। बैठक में मणिपुर के लोगों की भावनाओं और उनकी आकांक्षाओं को

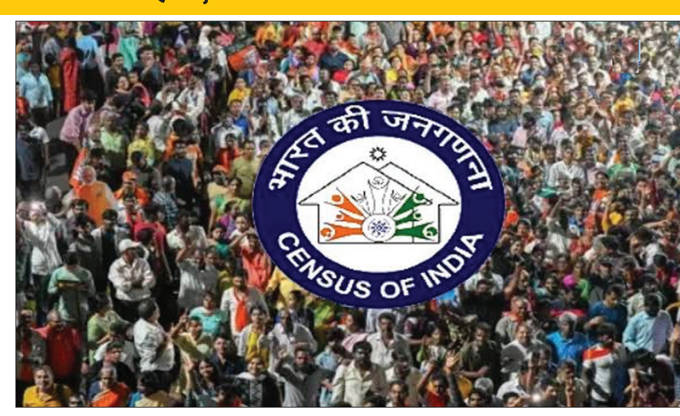

देखते हुए राज्य में प्रस्तावित जनगणना को फिलहाल टालने पर सहमति बनी।
मणिपुर में एनआसी लागू करने की मांग मुख्य रूप से मैतेई और नगा समुदायों की ओर से उठाई गई है। इन समुदायों में आशंका है कि एनआरसी के बिना जनगणना कराने से राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव हो सकता है। उनका आरोप है कि पड़ोसी म्यांमार से अवैध प्रवासियों के आने के कारण राज्य की आबादी के स्वरूप में बदलाव हो रहा है। म्यांमार से आने वाले कथित अवैध प्रवासियों के कुकी समुदाय से जातीय संबंध होने की बात भी कही जाती रही है। बैठक के बाद सीएम वाई. खेमचंद सिंह ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि केंद्र ने मणिपुर के लोगों की आवाज सुनी और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में फैसला लिया। सीएम ने बीजपी अध्यक्ष नितिन नबीन का भी मणिपुर के लोगों की मांगों को पूरा कराने में लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद किया। बता दें मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। मैतेई समुदाय मुख्य रूप से घाटी वाले इलाकों में रहता है, जबकि कुकी समुदाय के लोग पहाड़ी जिलों में बड़ी संख्या में रहते हैं। इस हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए। लगातार जारी जातीय संघर्ष और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। करीब एक साल बाद 4 फरवरी को इसे हटा दिया गया था।

जयराम का मोदी सरकार पर हमला: फज़ी सुर्खियों में व्यस्त पीएम

-महंगाई ने छीनी घर बनाने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर हमला बोलकर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फर्जी सुर्खियां बनाने में व्यस्त हैं, जबकि देश को बढ़ती महंगाई का ज़बरदस्त झटका लग रहा है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि मोदी सरकार आंकड़ों की बाजीगरी से लोगों को गुमराह कर रही है और हर हफ़्ते देश को कीमतों का नया झटका दे रही है।
उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई अब केवल रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी के घर बनाने के सपने को भी छीन लिया है। गरीब और मध्यम वर्ग को घर बनाने से लेकर बिजली के सामान तक हर चीज की बढ़ती कीमतों का ज़ोरदार झटका महसूस हो रहा है। रिपोर्ट का हवाला देकर कांग्रेस महासचिव रमेश ने बताया कि तांबे के तार की कीमत 850 से बढ़कर 1,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, और एल्युमीनियम की कीमत भी लगभग दोगुनी हो गई है। इससे 1,000 वर्ग फुट के घर में वायरिंग का खर्च 50,000 रुपये से बढ़कर करीब 1 लाख हुआ है।
कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि सोलर पैनल 10-15 प्रतिशत महंगे हो गए हैं, जबकि पंखों, फ़ॉल्स सीलिंग और इलेक्ट्रिक आयरन जैसे घरेलू उपकरणों की कीमतों में भी 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। एलईडी और हैलोजन लाइटें भी लगभग 20 प्रतिशत महंगी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि स्विच, सॉकेट, मेन-लाइन

केबल, टाइल्स और लेबर चार्ज जैसे घर बनाने से जुड़े हर खर्च में इजाफा हुआ है। कांग्रेस सांसद रमेश ने मोदी सरकार पर अहंकार और आंकड़ों की बाजीगरी से लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया, जबकि महंगाई आम लोगों की जेब पर हर तरफ से भारी चोट कर रही है।

सीजेपी के फिर आंदोलन के ऐलान से डरी सरकार, बात करने 2000 किमी दूर पहुंच गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
5 सितंबर को दिल्ली में फिर आंदोलन का ऐलान कर चुकी कॉकरोच जनता पार्टी को मनाने के लिए सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। जंतर-मंतर पर एक महीने तक आंदोलन करके सरकार को शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लेने पर मजबूर कर चुकी सीजेपी ने अब इंडिया गेट से पुलिस हेडक्वॉर्टर तक प्रोटेस्ट मार्च निकालने का ऐलान किया है।

सरकार ने सीजेपी को मनाने के लिए कोशिशें तेज कर दी हैं। सीजेपी नेता से बातचीत करने के लिए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली से करीब 2000 किलोमीटर दूर पुडुचेरी तक गया। सीजेपी ने नए आंदोलन की जो तारीख चुनी है वह दिल्ली में होने जा रहे ब्रिक्स सम्मेलन से दूर नहीं है। ऐसे में सरकार नहीं चाहती कि जब रूस, चीन समेत करीब 20 देशों के प्रतिनिधि-राष्ट्राध्यक्ष दिल्ली आएं तो सड़कों पर किसी तरह की अशांति नजर नहीं आए।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी के सह संयोजक सौरभ दास ने सोमवार रात केंद्र सरकार की ओर से उठाए गए कदमों को जहां सकारात्मक बताया तो वहीं उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि सीजेपी को मनाने के लिए सरकार कितनी कोशिशें कर रही है। सौरभ ने बताया कि सरकार की तरफ से एक उच्च स्तरीय कमिटी उनसे लगातार संपर्क में है। यहां तक कि वह पुडुचेरी में अपने घर चले गए थे तो यह कमिटी वहां भी पहुंचा और तीन बार उनके बीच केसों को वापस लिए जाने और मुआवजे को लेकर बातचीत हुई। दास ने संकेत दिया कि सरकार और सीजेपी के बीच समझौते की रूपरेखा तैयार हो चुकी है और इसके तहत अब सरकार ने यह कदम उठाया है।
ऐसे में सवाल उठता है कि क्या एक बार फिर सीजेपी सरकार को दबाव में लाने में कामयाब रही? माना जा रहा है कि ब्रिक्स सम्मेलन को देखते हुए सरकार नहीं चाहती कि सितंबर की शुरुआत में दिल्ली में कोई आंदोलन हो जब ब्रिक्स बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियां अपने चरम पर हैं। माना जा रहा है कि एफआईआर रद्द कराए जाने के बाद सरकार मुआवजे पर भी जल्द कोई ऐलान करके सीजेपी से 5 सितंबर वाले प्रदर्शन की घोषणा को वापस लेने को कह सकती है।

फडणवीस का कांग्रेस पर हमला : महिला आरक्षण, सीजेपी और एनजीओ पर सवाल

पुणे, एजेंसी।
महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की घेराबंदी कर पूछा कि आखिर प्रियंका गांधी वाड्रा को मौके क्यों नहीं दिए गए और क्या कांग्रेस महिलाओं को मौका देने के पक्ष में है। सीएम फडणवीस ने कांग्रेस पर 2023 में परिसीमन प्रावधानों वाले महिला आरक्षण कानून का समर्थन करने के बावजूद अब उसका विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा 2029 तक महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करेगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने सीजेपी के कांग्रेस से गहरे संबंधों का दावा किया। उन्होंने सीजेपी आंदोलन को कांग्रेस जिताओ प्रोग्राम बताकर कहा कि यह कोई छोटा समूह नहीं, बल्कि इसके पीछे कई चेहरे और कांग्रेस से जुड़े लोग काम कर रहे हैं जो नए नामों से सामने आ रहे हैं। सीएम फडणवीस ने भारत जोड़ो अभियान को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले यह अभियान कांग्रेस का अपना नहीं था, बल्कि इसमें लगभग 180 अलग-अलग एनजीओ शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इनमें से अधिकतर एनजीओ को यूपीए सरकार ने ही अर्बन नक्सल करार दिया था। फडणवीस के अनुसार, इन संस्थाओं को कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ एक नैरेटिव बनाने के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि इन एनजीओ की कोई जवाबदेही नहीं थी, ये चुनाव नहीं लड़ते थे और रोज़ झूठ फैलाते थे, जिसका भाजपा को जवाब देना पड़ता था।

दिल्ली में मसौदा मतदाता सूची से 47.5 लाख नाम हटाए गए, सबसे ज्यादा बुराड़ी से

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में 70 विधानसभा सीट की मसौदा मतदाता सूची के मुताबिक बुराड़ी में सबसे ज्यादा 1.67 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए। प्रतिशत के हिसाब से सबसे ज्यादा 47.85 फीसदी नाम तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र में हटाए गए हैं। इसके बाद ओखला 45.33 फीसदी, कस्तूरबा नगर 44.03 फीसदी, और बदरपुर 42.67 फीसदी हैं। संख्या के हिसाब से सबसे ज्यादा नाम बुराड़ी में हटाए गए हैं, जो उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इसके बाद ओखला में 1.63 लाख, बदरपुर में 1,46,673, विकासपुरी में 1,46,225 और रिठाला में 1.06 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक संख्या के आधार पर सबसे कम 22,855 नाम दिल्ली कैंट में हटाए गए हैं।
इसके बाद रोहिणी 24,888, शकूर बस्ती 27,233, राजौरी गार्डन 30,856 और मटिया महल 32,099 हैं। प्रतिशत के हिसाब से सबसे कम 16.5 फीसदी नाम रोहिणी में हटाए गए हैं। इसके बाद शकूर बस्ती 18.74 प्रतिशत, राजौरी गार्डन 20.86 प्रतिशत, मंगोलपुरी 21.24 प्रतिशत और मटिया महल 24.5 प्रतिशत हैं। जिला स्तर पर मसौदा मतदाता सूची से सबसे ज्यादा 6.79 लाख नाम दक्षिण-पूर्वी दिल्ली जिले में हटाए गए हैं। वहीं, नई दिल्ली जिले में सबसे कम 60,170 नाम हटाए गए हैं। पूर्वी दिल्ली 5.70 लाख, उत्तर-पूर्वी दिल्ली 5.43 लाख, दक्षिणी दिल्ली 5.19 लाख और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली 3.71 लाख में भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।
एसआईआर के बाद सोमवार को जारी दिल्ली की मसौदा मतदाता सूची में मौजूदा 1.45 करोड़ मतदाताओं में से 47.5 लाख मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए गए हैं। मसौदा सूची जारी होने के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए एक महीने का समय दिया गया है, जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची में नहीं हैं, वे अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची चार नवंबर को जारी की जाएगी।